■ आश्विन शुक्ल - 2 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 83 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 16-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 डोटासरा को चुनौती देने के लिए बिछने लगी चौसर

6 नवरात्रि : नौ शक्तियों का मिलन पर्व

7 फलस्तीनियों की चिंता करने वाले अपने घर के बगल हो रही गलतियों पर ध्यान दें : तस्लीमा

ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्यामक्ष मालाकमण्डलू।
देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा।।

मां दुर्गा की नव शक्तियों का दूसरा स्वरूप ब्रह्मचारिणी का है। यहां 'ब्रह्म' शब्द का अर्थ तपस्या है। ब्रह्मचारिणी अर्थात तप की चारिणी। तप का आचरण करने वाली। कहा गया है – 'वेदस्तत्वं तपो ब्रह्मा–वेद, तत्त्व और तप 'ब्रह्म' शब्द के अर्थ हैं। ब्रह्मचारिणी देवी का स्वरूप पूर्ण ज्योतिर्मय एवं अत्यन्त भव्य है। इनके दाहिने हाथ में जप की माला एवं बायें हाथ में कमण्डल रहता है।

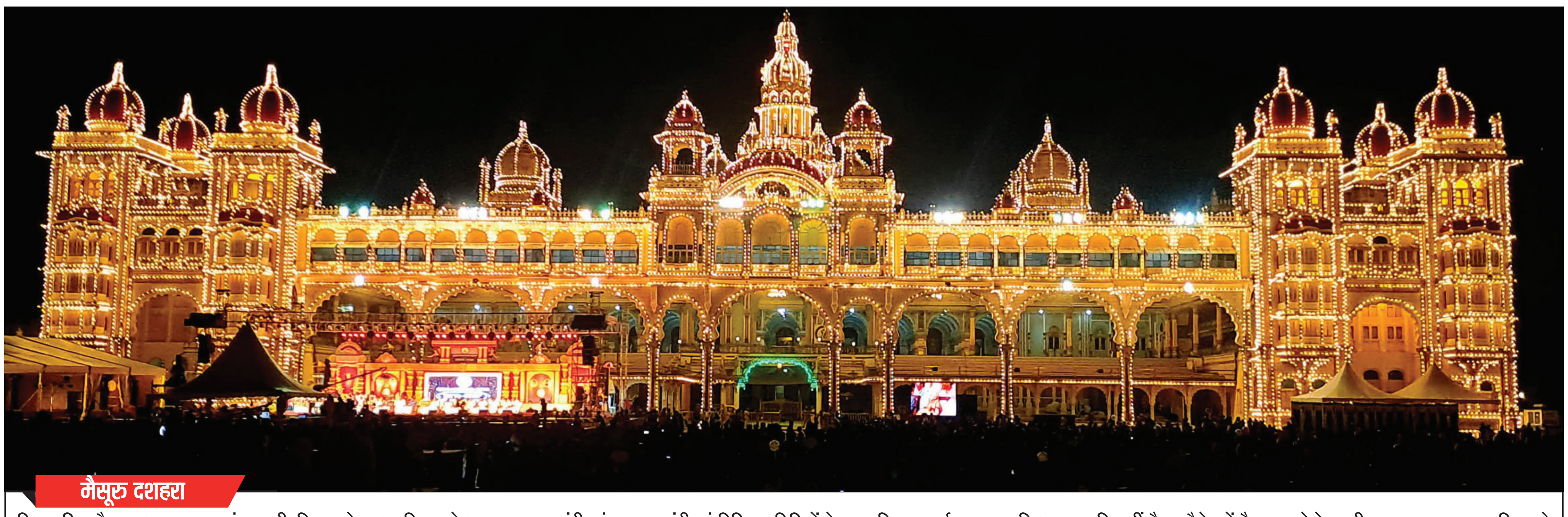

मैसूरु दशहरा

विश्व प्रसिद्ध मैसूरु दशहरा उत्सव मां चामुन्डी की पूजा के साथ रविवार को शुरु हुआ। मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री एवं विशिष्ट अतिथियों ने माता की पूजा अर्चना कर इसकी शुरुआत की। वहीं मैसूरु पैलेस में मैसूरु घराने के यदुवीर कृष्णदत्त चामराज वाडियार ने पारम्परिक तरीके से पूजा अर्चना की और अपना दरबार लगाया। शाम को बड़ी संख्या में लोगों ने मैसूरु पैलेस में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनन्द उठाया। लोगों के ध्यान आकर्षण का मुख्य केन्द्र बना पूरा मैसूरु पैलेस रोशनी से जगमगा का कर रहा है।

फर्स्ट टेक

रूस ने 27 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए

मॉस्को/वार्ता। रूसी वायु रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि उसने 27 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है, जिनमें से 18 को रूस के कुर्स्क क्षेत्र में नष्ट कर दिया गया। मंत्रालय ने टेलीग्राम पर कहा कि आज रात, कीव द्वारा रूसी क्षेत्र में वस्तुओं पर फिक्स्ड–विंग ड्रोन का उपयोग करके आतंकवादी हमला करने का प्रयास रोक दिया गया। वायु रक्षा प्रणालियों ने 27 यूक्रेनी ड्रोन को रोक दिया, जिनमें से कुर्स्क क्षेत्र पर 18 और बेलगोरोड क्षेत्र पर दो हवा में नष्ट कर दिये गए।

इजराइल की कार्रवाई आत्मरक्षा से परे : चीन

बीजिंग/वार्ता। चीन ने रविवार को कहा कि कि इजराइल की कार्रवाई आत्मरक्षा के दायरे से बाहर चली गयी है और देश को फिलिस्तीनियों को सामूहिक सजा देना बंद कर देना चाहिए। चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने सऊदी अरब में अपने समकक्ष फैसल बिन फरहान अल सऊद से आज फोन पर बातचीत में यह बात कही। यहां जारी बयान में कहा गया है कि इजरायल की कार्रवाई आत्मरक्षा से आगे बढ़ गयी है तथा उसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय और संयुक्त राष्ट्र महासचिव के आह्वान पर गंभीरता से ध्यान देते हुए गाजा पट्टी के निवासियों को सामूहिक रूप से दंडित करना बंद करना चाहिए। बयान में यह भी कहा गया है कि चीन नागरिकों को निशाना बनाने वाली सभी हानिकारक कार्रवाइयों की निंदा करता है और बातचीत की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने का आह्वान करता है।

सूर्यास्त 16-10-2023	सूर्योदय 17-10-2023
6:01 बजे	6:10 बजे

BSE	NSE
66,282.74	19,751.05
(-125.65)	(-42.95)

सोना	चांदी
6,223 रु.	73,500 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

दूसरे देश के आंतरिक मामलों पर संसद में चर्चा नहीं हो सकती : बिरला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज कहा कि पी–20 शिखर सम्मेलन में 48 संसदीय निकायों के प्रमुखों ने माना है कि सर्वोच्च विधायी संस्था होने के नाते संसदों की संप्रभुता होती है और उनमें दूसरे देशों के आंतरिक मामलों के बारे में चर्चा नहीं की जा सकती है।

बिरला ने आज यहां पी–20 के सफल आयोजन को लेकर योगदान करने वाले सभी पक्षों के प्रति आभार ज्ञापन के लिए बुलाये गये संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल पर यह बात बतायी। उन्होंने कहा, हमारा स्पष्ट मत है और इसे सबने एक मत से माना है कि संसद सर्वोच्च विधायी संस्था होती है। किसी भी देश के आंतरिक मामलों को लेकर कभी किसी अन्य देश की संसद में चर्चा नहीं हो सकती है।

तुर्की की संसद के पीठासीन अधिकारी के साथ द्विपक्षीय मुलाकात में मेहमान नेता द्वारा तुर्की में अस्थिरता फैलाने वाले तत्वों को भारत की शह के आरोप के बारे में पूछे जाने पर बिरला ने कहा कि सरकार का स्पष्ट मत है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी इसे कई बार स्पष्ट किया है। हम आतंकवाद, आतंकवादी गतिविधियां, आतंकवादियों को प्रश्रय दिये जाने के सख्त खिलाफ हैं और ऐसी गतिविधियों का भारत में कहीं कोई स्थान नहीं है। आतंकवाद चाहे जाति के नाम पर हो या धर्म के नाम पर, भारत उसके किसी भी पक्ष या स्वरूप को कतई कोई समर्थन नहीं देता है।

लोकसभा अध्यक्ष ने इससे पहले अपने वक्तव्य में कहा कि भारत की अध्यक्षता में जी–20 देशों की संसदों के पीठासीन अधिकारियों का यह नौवां पी–20 शिखर सम्मेलन सबसे कामयाब रहा है। उन्होंने कहा कि भारत की जी 20 अध्यक्षता की थीम के अनुरूप, 9वें पी 20 शिखर सम्मेलन का विषय 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के लिए संसदें' था।

'जो लोग समाज को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, उनसे अवश्य ही निपटा जाना चाहिए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कठुआ (जम्मू कश्मीर)/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि जो लोग समाज को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं, देश को उनसे अवश्य निपटना चाहिए।

भागवत ने यहां संघ के स्वयंसेवकों की एक सभा को संबोधित करते हुए अहिंसक, करूणावान, लचीलेपन और सुदृढ़ होने के महत्व पर भी बल दिया।

संघ प्रमुख ने अहिंसा पर बल दिया लेकिन साथ ही यह भी कहा कि जो लोग समाज और राष्ट्र को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं या तोड़ना चाहते हैं, उनसे निपटने के लिए जो भी तरीका जरूरी हो, उसे अपनाना ही होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह गरीबों की मदद के लिए पैसा दान किया जाता है उसी तरह कमजोरों की रक्षा के लिए शक्ति का प्रयोग किया जाना चाहिए।

भागवत ने कहा, '' गरीबों की मदद के लिए पैसे दान में दिये जाते हैं तथा कमजोरों की मदद के लिए शक्ति का उपयोग किया जाता है। समाज और राष्ट्र के परिप्रेक्ष्य में यह भाव सभी के दिमाग में डाल दिया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''ये ऐसे मूल्य हैं जो हमारे धर्म में समाहित हैं। उसमें कोई दो राय नहीं है।'' उन्होंने कहा कि लेकिन जहां कमजोर को क्रूर से बचाने की जरूरत हो तो व्यक्ति को जरूरत के हिसाब से ताकत के इस्तेमाल के लिए बिल्कुल तैयार रहना चाहिए।''

संघ प्रमुख ने कहा, '' दुनिया में कमजोरों को क्रूरों से बचाना है तो हाथों में हथियार रखना ही होगा।'' उन्होंने कहा कि इस संबंध में राष्ट्र में सभी की सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है।

भागवत ने कठुआ चौक पर जनसंघ संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को श्रद्धांजलि दी तथा एक मंदिर में पूजा–अर्चना की।

वह शहर के बाहरी इलाके जाखुद गये और भारत माता की प्रतिमा का अनावरण किया।

युवाओं को देश के इतिहास, भाषा और संस्कृति से जोड़ने के लिए पुस्तकालय जरूरी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गांधीनगर/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि युवाओं को देश के इतिहास, भाषा और संस्कृति से जोड़ने के लिए पुस्तकालयों का निर्माण किया जाना चाहिए। उन्होंने अध्यापकों से विद्यार्थियों को उनकी रूचि के विषयों में ज्ञान अर्जित करने के लिए पुस्तकालय जाने के वास्ते प्रोत्साहित करने की अपील भी की।

शाह ने 1857 के विद्रोह के दौरान देश की आजादी के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले मनसा के 12 शहीद को श्रद्धांजलि देने के लिये बनाए गए समाउ शहीद स्मारक के उद्घाटन के बाद उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने एक पुस्तकालय का भी उद्घाटन किया। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज के युवा अंग्रेजी के शब्दों का इस्तेमाल किये बिना 35 मिनट तक गुजराती में भाषण नहीं दे पायेंगे क्योंकि वे अपनी मातृभाषा की समृद्धि से अवगत नहीं हैं। शाह ने कहा, '' युवाओं को देश के इतिहास, भाषा और संस्कृति से जोड़ने के लिए पुस्तकालयों का निर्माण किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि यदि मानसा में समृद्ध पुस्तकालय नहीं होता तो वह शायद व्यापारी के रूप में काम कर रहे होते।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, '' मानसा के पुस्तकालय ने मुझे अपने देश की संस्कृति, धर्म और भाषा को जानने–पहचानने का मौका दिया। '' उन्होंने कहा कि पुस्तकालय में 7000 किताबें थी और उन्हें उस सूची में 'भागवत गो मंडल' (इनसाक्लोपीडिया ऑफ गुजरात) और गुजरात व्याकरण पाकर बहुत खुशी हुई। केंद्रीय मंत्री ने कहा, '' यदि मैं युवाओं खासकर समाऊ गांव के बच्चों से बिना अंग्रेजी का इस्तेमाल किये 35 मिनट गुजराती में बोलने के लिए कहूं तो मैं आपको पक्का बताऊं कि कोई ऐसा नहीं कर पायेगा क्योंकि युवा हमारे शब्द भंडार, व्याकरण और समृद्ध भाषा से अनजान हैं।''

अमेरिका के टेक्सास में गोलीबारी, तीन घायल

ह्यूस्टन/वार्ता। अमेरिका में टेक्सास प्रांत के डलास में शनिवार रात गोलीबारी में तीन लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। डलास पुलिस विभाग ने कहा कि स्थानीय समयानुसार रात 8:00 बजे (अंतराष्ट्रीय समय के अनुसार रविवार तड़के एक बजे) से पहले मेले के फूड कोर्ट के पास हुई गोलीबारी के सिलसिले में एक व्यक्ति हिरासत में है। अधिकारियों को गोलीबारी की सूचना मिली और वे पार्क को खाली कराने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच के मुताबिक एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति पर गोली चलाई और तीन अन्य घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने बताया कि अधिकारियों द्वारा गिरफ्तार किए जाने से पहले बंदूकधारी ने पैदल ही घटनास्थल से भागने की कोशिश की।

ईडी ने पूर्व राकांपा सांसद की 315 करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को कहा कि उसने महाराष्ट्र से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के एक पूर्व सांसद, उनके परिवार तथा कारोबारी प्रतिष्ठानों के खिलाफ धनशोधन से जुड़ी कथित बैंक धोखाधड़ी की जांच के क्रम में 315 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है।

राकांपा के पूर्व राज्यसभा सदस्य ईश्वरलाल शंकरलाल जैन ललवानी (77) राजमल लखीचंद ज्वेलर्स प्राइवेट लिमिटेड, आर एल गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड और मनराज ज्वेलर्स के प्रवर्तक हैं।

संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि उसने कंपनियों के बैंक धोखाधड़ी मामले में कुल 315.60 करोड़ रुपये मूल्य की कुछ पवनचक्की, चांदी तथा हीरे के आभूषण, ईंट और भारतीय मुद्रा के अलावा जलगांव, मुंबई, ठाणे, सिलोड (महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में) और कच्छ (गुजरात) में 70 अचल संपत्तियां कुर्क करने के लिए शुक्रवार को धन शोधन रोकथाम कानून के तहत एक अस्थाई आदेश जारी किया था।

ईडी ने आरोप लगाया, ''कुर्क की गईं संपत्तियों में प्रवर्तक ईश्वरलाल शंकरलाल जैन ललवानी, मनीष ईश्वरलाल जैन ललवानी और अन्य द्वारा खरीदी गई बेनामी संपत्ति भी शामिल है।''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

क्रिकेट क्यों

जिनकी सिम में बेलेंस नहीं,
उनसे भी करते रहें चैट।
जिस घर के द्वार बँधे कुत्ते,
क्यों जाएं उस दर खोल गेट।
खेलों से बढ़ता भ्रातृभाव,
बढ़ती मन की रन फ्लेट रेट।
जिनके मन में है बैर भाव,
उनके सँग भी खेलें क्रिकेट ।

इजराइल ने गाजा पट्टी में जमीनी हमले की योजना स्थगित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गाजा/वार्ता। इजरायली सेना ने इस सप्ताह के अंत में गाजा पट्टी में जमीनी हमले की योजना बनाई थी, लेकिन मौसम की स्थिति के कारण रविवार को इसे कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दी।

अमेरिकी अखबार 'द न्यू यॉर्क टाइम्स' ने तीन वरिष्ठ इज़रायली सैन्य अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

योजना के अनुसार इजरायली सेना को गाजा शहर पर कब्जा करने और एन्क्लेव के वर्तमान नेतृत्व को नष्ट करने का आदेश दिया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि इसमें हजारों इजरायली सैनिकों, साथ ही टैंक, सैपर और कमांडो के भाग लेने की उम्मीद थी।

न्यूयॉर्क टाइम्स ने हमास के एक अधिकारी के हवाले से खबर दी है कि हमास लड़ाके अपनी ओर से गाजा शहर की कई छिपी हुई भूमिगत सुरंगों से अचानक निकलकर इजरायली सैनिकों पर पीछे से हमला करने की योजना बना रहे हैं।

इससे पहले अमेरिकी खोजी पत्रकार सेमुर हर्श ने कहा था कि इज़रायल ज्वाइंट डायरेक्ट अटैक म्यूनिशन (जेडीएएम) मार्गदर्शन किट से लैस बमों का उपयोग करके गाजा पर हमले की योजना बना रहा है, जिससे शहर पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर को फिलिस्तीनी समूह हमास ने गाजा पट्टी से इजरायल में बड़े पैमाने पर रॉकेट हमला किया था। इसके कारण इजरायल को अगले दिन युद्ध की स्थिति घोषित करने और जवाबी हमले शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा था। इज़रायल और फ़िलिस्तीन ने तनाव बढ़ने के कारण 1,000 से अधिक लोगों की मौत और हज़ारों लोगों के घायल होने की सूचना दी है।

फलस्तीन में मृतक संख्या 2,300 के पार पहुंची

दीर अल बलाह (गाजा पट्टी)/एपी। हमास और इजराइल के बीच जारी मौजूदा संघर्ष में 2,329 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है और यह पांच गाजा युद्धों में से फलस्तीनियों के लिए सबसे घातक युद्ध बन गया है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार, इजराइल और हमास के बीच 2014 में हुए युद्ध में 2,251 फलस्तीनियों की मौत हुई थी, जिनमें से 1,462 आम नागरिक थे। मौजूदा युद्ध में मृतक संख्या रविवार को 2014 में हुए युद्ध की मृतक संख्या को पार कर गई। वर्ष 2014 में हुआ युद्ध छह सप्ताह चला था और इसमें इजराइली पक्ष के 74 लोगों की मौत हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र को हस्तक्षेप करना चाहिए : मदनी

नई दिल्ली/वार्ता। जमीयत उलमा–ए–हिंद (जेयूएच) के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने गाजा पर इजरायली आक्रामकता की निंदा करते हुए रविवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, मुस्लिम विश्व लीग और अन्य प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय संगठनों को शीघ्र अति शीघ्र हस्तक्षेप करना चाहिए तथा वहां शांति स्थापित करने के लिए सकारात्मक और प्रभावी प्रयास करना चाहिए। मदनी ने विश्व के सभी नेताओं से अपील की है कि वे गाजा में चल रहे दुखद युद्ध और आबादी पर हो रही खतरनाक बमबारी को तुरंत रोकने के लिए आगे आएं।

‘शक्ति जागरण का विशेष समय है नवरात्रि’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थित तेरापंथ भवन में मुनिश्री दीपकुमारजी के सान्निध्य में नवरात्रि आध्यात्मिक अनुष्ठान एवं नवरात्रि के विशेष प्रवचन का शुभारंभ हुआ। मुनिश्री ने आचार्यश्री द्वारा निर्धारित अनुष्ठान का प्रयोग कराया। मुनिश्री दीप कुमारजी ने नवरात्रि पर विशेष प्रवचन करते हुए कहा कि नवरात्रि का समय शक्ति जागरण का महत्त्वपूर्ण समय है। इस समय मंत्रों की विशेष आराधना एवं सघन साधना विशेष फलदायी होती है। मंत्रों के द्वारा बड़ी से बड़ी विघ्न बाधाओं को पार किया जा सकता है। शक्ति की साधना शुभ कार्य के लिए और किसी के अनिष्ट करने के लिए भी की जा सकती हैं। हमें सदैव अच्छे कार्य के लिए ही शक्ति की साधना करनी चाहिए। मुनिश्री ने आगे कहा– नौ मंगल भावनाएं जीवन में मंगल का अवतरण करने वाली है।

मुनिश्री काव्य कुमारजी ने कहा कि नवरात्रि पवित्र साधना उपासना का पर्व है। कोई मंत्र की साधना करता है, कोई तंत्र की साधना करता है, कोई देवी की उपासना करता है।

नवरात्रा में विशेष साधना द्वारा हम सभी की शक्ति में विकास हो। कुछ ऐसा मिले जो हमें उत्कर्ष पर पहुँचाए, हमारे उत्थान में सहायक हो, जो अभीष्ट को सिद्ध करे। मुनिश्री ने जानकारी दी कि आगामी नौ दिन प्रात: 9:15 बजे से आध्यात्मिक अनुष्ठान और विशेष प्रवचन होगा।

धर्म से जुड़े रहने पर ही वास्तविक सुख की प्राप्ति होगी : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि जिनवाणी श्रवण करने से आत्मा पवित्र होती है। क्रोध, मान, लोभ, माया आदि खत्म होने से हम यह पहचान कर सकते है कि हमारे लिए क्या अच्छा ओर क्या बुरा है। जीवन जितना मर्यादित होगा उतना ही आनंदित होगा। सुख भोग में नहीं त्याग में ही मिलता है। हमारी भावना राग–द्वेष रहित होकर उत्तम रहे। हमेशा याद रहे अज्ञानी व मोहग्रस्त जीव दु:ख पाता है। उनके पीछे वह धर्म को भी छोड़ देता है जबकि धर्म से जुड़े रहने पर ही वास्तविक सुख की प्राप्ति होगी। साध्वी शीतलगुणाश्री ने कहा कि वितराग प्रभु की जिनवाणी का श्रवण करके ही आधि, व्याधि मिटाकर समाधि की ओर प्रस्थान किया जा सकता है। कर्मो को क्षय कर मोक्ष जाने की राह जिनवाणी ही दिखाती है। भव भम्रण समाप्त करने का एक मात्र उपाय जिनवाणी है। उन्होंने कहा कि सभी अवगुण खत्म कर अष्ट कर्मो का क्षय कर तीर्थंकर गौत्र का बंध करने वाले वितरागियों को अभिनंदनीय माना जाता है। ऐसे अभिनंदनीय लोग ही मोक्ष जा सकते है। जीवन में धर्म की कमाई ही प्रगति व सुख के द्वार खोलती है। मेघराज भंसाली ने अतिथियों का सम्मान किया।महापूजन का लाभ मिश्रीमल राणावत परिवार ने लिया। मेघराज भंसाली मांगीलाल वेदमुथा, नेमीचंद वेदमुथा, अशोक जैन, नरपत राणावत, मुकेश राणावत आदि उपस्थित रहे।

डीआरआई ने पूरे देश में संचालित अभियान में 19 करोड़ रु. का सोना जब्त किया, 11 व्यक्ति पकड़े

मुंबई/भाषा। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने देशभर में एक अभियान चलाकर तीन स्थानों से 19 करोड़ रुपये का सोना जब्त करने के साथ ही तस्करी गिरोह के 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने रविवार को दी।

डीआरआई के अनुसार, यह गिरोह बांग्लादेश सीमा के रास्ते भारत में सोने की तस्करी करता था और उसे मुंबई, नागपुर (महाराष्ट्र में) तथा वाराणसी (उत्तर प्रदेश) आदि में भेजता था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, डीआरआई ने शुक्रवार और शनिवार को वाराणसी, नागपुर और मुंबई में एक समन्वित अभियान चलाकर विदेश से लाये गए सोने की तस्करी सड़क और रेलगाड़ियों से करने में शामिल गिरोह का भंडाफोड़ किया।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि डीआरआई की नागपुर टीम ने शुक्रवार शाम नागपुर रेलवे स्टेशन पर सोने के दो तस्करों को उस समय पकड़ा जब वे कोलकाता से आने वाली एक एक्सप्रेस ट्रेन से उतरे। विज्ञप्ति के अनुसार, टीम ने दोनों के पास से 8.5 किलोग्राम विदेशी मार्का सोना बरामद किया।

मांडविया ने असम में स्वास्थ्य क्षेत्र की कई परियोजनाओं की नींव रखी और उद्घाटन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने असम में 16 स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का रविवार को उद्घाटन एवं शिलान्यास किया।

इस मौके पर मंत्री ने कहा कि सरकार देश में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े क्षेत्र के प्रति समग्र दृष्टिकोण अपना रही है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों के लिए सुलभ और किफायती स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया है। मांडविया ने कहा, राष्ट्र की प्रगति के लिए स्वास्थ्य देखभाल अहम है। अगर नागरिक स्वस्थ होंगे तभी देश भी स्वस्थ हो पाएगा। उन्होंने 2047 तक भारत विकसित राष्ट्र बन जाए, यह सुनिश्चित करने के लिए नागरिकों से देश के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने का भी आग्रह किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने असम में स्वास्थ्य सेवा से जुड़े बुनियादी ढांचे की प्रगति पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में एक बड़ी परियोजना की नींव जल्द ही रखी जाएगी। मंत्री ने लखीमपुर मेडिकल कॉलेज में 50 बिस्तरों वाला ‘क्रिटिकल केयर ब्लॉक’ और कई स्थानों पर पांच ब्लॉक प्राथमिक स्वास्थ्य इकाइयों समेत अन्य का उद्घाटन किया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने नगांव में एक एकीकृत प्रयोगशाला और डिब्रूगढ़ में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का भी उद्घाटन किया।

सीरवी प्रीमियर लीग ‘केएसपीएल सीजन-2 कप’ के खिलाड़ियों की हुई नीलामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सीरवी प्रीमियर लीग केएसपीएल सीजन 2 के खिलाड़ियों की नीलामी का आयोजन सीरवी समाज एचएसआर लेआऊट भवन में किया गया। कार्यक्रम में वडेर के सचिव लक्ष्मणराम आगलेचा, आयोजक रतनलाल काग, राकेश राठौड़ ने दीप प्रज्ज्वलन से किया। काग ने बताया की प्रतिवर्ष होने वाली किक्रेट प्रतियोगिता कर्नाटक सीरवी प्रीमियर केएसपीएल लीग सीजन 2 कप का आयोजन 13 दिसंबर को सचिन तेंदुलकर ग्राउंड मैदान में होगा।इस प्रतियोगिता में कुल 16 टीमें खिलेगी, जिसमें 240 खिलाड़ी होंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोम्मनाहल्ली क्षेत्र के विधायक सतीश रेड्डी, सुरेश सेंणचा, बाबूलाल पंवार दुर्गाराम चार्टर्ड अकाउंटेंट, जगदीश एवं वडेर के सचिव लक्ष्मणराम आगलेचा का सम्मान किया गया। विधायक सतीश रेड्डी ने कहा कि युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा देते हुए उन्होनें कहा कि अपना कौशल दिखाने को मिले इस अवसर में अपनी प्रतिमा के साथ खेल भावना का प्रदर्शन भी नितांत आवश्यक है। इस अवसर पर समाज के अनेक गणमान्य मौजूद रहे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

वस्त्रदान

बेंगलूरु के राजस्थान संघ कर्नाटक ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा नीति वस्त्र भंडार योजना के अंतर्गत पहनने योग्य पुराने 540 जोड़ी वस्त्र होसूर रोड स्थित निम्हांस आश्रम में निवासित मंदबुद्धि महिलाओं को उपलब्ध कराए गए। इस कार्य में चेयरमैन अशोक चोपड़ा, अध्यक्ष कैलाश संखलेचा, नीतिवस्त्र चेयरमैन सुरेश धोका, मोक्षवाहिनी योजना के चेयरमैन जिनेश मेहता, आनंद राव ने अपना सहयोग दिया।

विपक्षी दलों के नेता एक नवंबर की बहस से भाग रहे हैं : मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को विपक्षी दल के नेताओं पर अपने ‘‘पापों’’ के उजागर होने के डर से एक नवंबर की खुली बहस से भागने का आरोप लगाया। हल्के–फुल्के अंदाज में उन्होंने कहा कि अगर नेता आना चाहें तो उनका स्वागत उनकी पसंद के पेय से किया जाएगा।

मान ने कहा, ‘‘उनके पसंदीदा जलपान, जैसे सुखबीर बादल के लिए डाइट कोक और पिज्ज़ा, बाजवा के लिए ब्लैक कॉफी, जाखड़ के लिए एक गिलास किन्नू जूस और अमरिंदर सिंह राजा वडिंग के लिए चाय।’’

कुछ दिन पहले मान ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के प्रमुख सुनील जाखड़, कांग्रेस की पंजाब इकाई के प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा और शिरोमणि अकाली दल (शिअद) प्रमुख सुखबीर सिंह बादल को राज्य से संबंधित कई मुद्दों पर खुली बहस की चुनौती दी थी। सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा उनकी सरकार की आलोचना के बीच उन्होंने यह चुनौती दी थी। यह बहस एक नवंबर को लुधियाना में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित होने वाली है।

कई सरकारी विभागों में नियुक्त नए कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने के बाद यहां एक सभा को संबोधित करते हुए मान ने आरोप लगाया कि विपक्षी नेता राज्य को बर्बाद करने वालों के साथ मिले हुए हैं और इसीलिए वे बहस से भाग रहे हैं।

‘संस्कार व संस्कृति को संभालना सबसे बड़ा कार्य’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में सरस्वतीमय माता सरस्वती के मंत्र जाप साधना का अनुष्ठान प्रारंभ हुआ।

इस मौके पर आचार्यश्री ने कहा कि भाव प्रेम का महत्व संस्कार संस्कृति की विरासत को टिकाए रखने में है। ये भी वर्तमान युग में बहुत कठिन काम है।

इसे ऐसा भी कहा जा सकता है कि सुधरते बहुत देर लगती है किन्तु बिगडने में देर नहीं लगती। इमारत बनानी हो तो बहुत समय और परिश्रम लगता है किन्तु ध्वस्त करते अधिक समय और परिश्रम नहीं लगता है। इसलिए हमें अच्छा व पवित्र रहना जरुरी है। आज लोग अपने बड़ों की सम्पत्ति का वारिस बनने के लिए तैयार है परन्तु अपनी आध्यात्मिक विरासत के वारिस बनना नहीं चाहते हैं। हम प्रत्यन करें कि हम आध्यात्मिक ऊर्जा के, संस्कारों के भी वारिस बने। तीर्थंकरों–अवतारों,ऋषियों मुनियों की संपत्तिरूप धरोहर को संभालकर आगे बढ़ाना यह हमारा उत्तरदायित्व बनता है।

पाक पर जीत के लिए भारतीय टीम को बधाई नहीं देने को लेकर हिमंत ने राहुल पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने क्रिकेट विश्व कप में पाकिस्तान पर जीत के लिए भारतीय टीम को बधाई नहीं देने को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर रविवार को निशाना साधा।

शर्मा ने ‘एक्स’ (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, कल क्रिकेट विश्व कप में भारत ने पाकिस्तान को हरा दिया। पूरा देश खुशी से झूम उठा और जीत का जश्न मनाया। लेकिन ’मोहब्बत की दुकान’ से एक शब्द भी नहीं निकला।

भारतीय टीम ने रविवार को अहमदाबाद में हुए विश्वकप के ग्रुप मैच में पाकिस्तान की टीम को सात विकेट से हरा दिया। ‘मोहब्बत की दुकान’ से हिमंत का इशारा राहुल गांधी की ओर था, जो अपने भाषणों में इस शब्द का इस्तेमाल करते रहे हैं। इससे पहले शर्मा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा था कि उसे अफगानिस्तान और पाकिस्तान में गठबंधन सरकार बनानी चाहिए क्योंकि इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष को लेकर पार्टी का रुख इन दो पड़ोसी देशों से मिलता–जुलता है। उन्होंने पत्रकारों से कहा था, यदि आप मुझसे पूछें, तो कांग्रेस को अफगानिस्तान में तालिबान के साथ या पाकिस्तान में इमरान खान या शहबाज शरीफ के साथ मिलकर गठबंधन सरकार बना लेनी चाहिए।

छत्तीसगढ़ चुनावः कांग्रेस की पहली सूची जारी, आठ विधायकों का नाम नहीं होने पर भाजपा ने साधा निशाना

रायपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की छत्तीसगढ़ इकाई के अध्यक्ष अरुण साव ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली राज्य सरकार अपनी नाकामियों का ठीकरा विधायकों पर फोड़ने का प्रयास कर रही है। साव ने आगामी विधानसभा चुनाव के लिए जारी सत्तारूढ़ कांग्रेस की पहली सूची में आठ मौजूदा विधायकों का नाम नहीं होने के बाद यह टिप्पणी की है। साव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नवरात्रि के पहले दिन अपनी पहली सूची जारी करके ’सनातनी’ (हिंदू धर्म समर्थक) होने का दिखावा कर रही है, लेकिन कवर्धा, बिरनपुर व मोहला मानपुर में (सांप्रदायिक) घटनाएं सनातन धर्म तथा उसके अनुयायियों के प्रति पार्टी की नफरत को दर्शाती हैं।

छत्तीसगढ़ में सात और 17 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा, जबकि मतगणना तीन दिसंबर को होगी। कांग्रेस ने रविवार को 30 उम्मीदवारों की सूची जारी की, जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, उनकी कैबिनेट के 12 सहयोगियों और राज्य की विधानसभा के अध्यक्ष चरणदास महंत समेत 22 विधायकों का नाम शामिल हैं।

मध्यप्रदेश में कांग्रेस ने 144 उम्मीदवारों की सूची जारी की

चौहान के खिलाफ अभिनेता विक्रम मस्ताल को टिकट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। कांग्रेस ने अगले महीने होने वाले मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची रविवार को जारी की, जिसमें प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ समेत 69 विधायकों के नाम शामिल हैं। टेलीविजन धारावाहिक में भगवान हनुमान की भूमिका निभाने वाले अभिनेता विक्रम मस्ताल को कांग्रेस ने प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता शिवराज सिंह चौहान के खिलाफ सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।

कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ को उनके गृह क्षेत्र छिंदवाड़ा से उम्मीदवार बनाया गया है, जहां से वह वर्तमान में विधायक हैं। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए 17 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना तीन दिसंबर को की जाएगी।

कांग्रेस ने राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के बेटे जयवर्धन सिंह को राघौगढ़ से और उनके भाई लक्ष्मण सिंह को गुना के चचौरा विधानसभा सीट से टिकट दिया है। ये दोनों मौजूदा विधायक हैं।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता डॉ. गोविंद सिंह को भिंड जिले की लहार सीट से उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि हाल ही में कांग्रेस में शामिल हुए भाजपा के पूर्व सांसद बोध सिंह भगत को कटंगी से टिकट दिया गया है।

बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य की समीक्षा पर विचार कर रही है सरकार

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने रविवार को कहा कि वह बासमती चावल के न्यूनतम निर्यात मूल्य की समीक्षा पर गंभीरता से विचार कर रही है, जो इस समय 1,200 अमेरिकी डॉलर प्रति टन है। गौरतलब है कि अधिक मूल्य होने के कारण देश का निर्यात प्रभावित हुआ है। चावल निर्यातक संघ मांग कर रहे हैं कि इस दर को घटाकर लगभग 850 अमेरिकी डॉलर प्रति टन किया जाना चाहिए। सरकार ने अगस्त में फैसला किया था कि बासमती चावल 1,200 डॉलर प्रति टन से कम कीमत पर निर्यात नहीं किया जाएगा। ऐसा बासमती चावल की आड़ में अवैध रूप से गैर–बासमती चावल के ’अवैध’ निर्यात को रोकने के लिए किया गया था। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने बयान में कहा कि केंद्र सरकार ने चावल की घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए कई कदम उठाए हैं।

विकास जारी रखने के लिए बीआरएस को सत्ता में लौटना चाहिए : केसीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना विधानसभा चुनाव के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की ओर से प्रचार शुरू करते हुए मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव ने रविवार को कहा कि पार्टी को राज्य में शांतिपूर्ण विकास को आगे बढ़ाने के लिए सत्ता में लौटना चाहिए।

हैदराबाद से 140 किमी. दूर हुस्नाबाद में आयोजित रैली में सरकार की उपलब्धिया गिनाते हुए राव ने कहा कि बीआरएस के साढ़े नौ साल के शासन में तेलंगाना प्रति व्यक्ति आय, ऊर्जा उपभोग और पेयजल के मामले में शीर्ष राज्य बन गया है। के. चंद्रशेखर राव को केसीआर के नाम से भी जाना जाता है। केसीआर ने याद किया कि उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनावों के लिए हुस्नाबाद से अपना विधानसभा चुनाव अभियान शुरू किया था और विजयी हुए थे। केसीआर ने कहा कि इस निर्वाचन क्षेत्र से बीआरएस के आगामी चुनावों में 95 से 105 सीटें जीतने की नींव पड़ेगी। केसीआर ने कांग्रेस का नाम लिए बिना उसपर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दल फिर से मौका मांग रहा है, जबकि उसने पहले दिए गए 10 अवसरों में विकास नहीं किया है। उन्होंने कहा, ‘‘ कुछ दल आपसे उन्हें एक मौका देने के लिए कह रहे हैं, लेकिन उन्हें पहले 10 मौके दिए गए थे।’’

महाराष्ट्र में मिनी बस ने कंटेनर को टक्कर मारी, 12 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर जिले में समृद्धि एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात तेज गति से आ रही एक मिनी बस ने एक कंटेनर को टक्कर मार दी, जिसमें कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई तथा 23 अन्य घायल हो गए।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि निजी बस में 35 यात्री सवार थे जो बुलढाणाा जिले में सैलानी बाबा दरगाह से नासिक लौट रहे थे। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिजन को राज्य सरकार की ओर से पांच लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि मृतकों के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो–दो लाख रुपये तथा घायलों को पचास–पचास हजार रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा जिले में एक्सप्रेसवे के वैजापुर इलाके में आधी रात के बाद हुआ। यह स्थान जिला मुख्यालय से करीब 80 किलोमीटर और राजधानी मुंबई से करीब 350 किलोमीटर दूर है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया, जिसके परिणामस्वरूप बस ने जांबरगांव टोल प्लाजा के पास खड़े एक कंटेनर को पीछे से टक्कर मार दी। वैजापुर थाने के एक अधिकारी ने ‘पीटीआई–भाषा’ को बताया कि प्रथम दृष्टया मिनी बस में क्षमता से अधिक यात्री सवार थे। उन्होंने कहा कि इसमें 17 यात्रियों के बैठने की क्षमता थी लेकिन इसमें करीब 35 यात्री सफर कर रहे थे।

थाना निरीक्षक श्यामसुंदर काव्थले ने बताया कि 12 यात्रियों की मौत हो गई जिनमें पांच पुरुष, छह महिलाएं और एक बच्ची शामिल है। उन्होंने बताया कि 23 अन्य यात्री घायल हो गए जिन्हें एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने कहा कि घायलों में बस चालक भी शामिल है जिसके सिर में चोट आई है।

रविवार को चामुंडी हिल में मैसूरु दशहरा 2023 के उद्घाटन पर मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, संगीत निर्देशक हमसलेखा, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और अन्य।

रविवार को मैसरुर पैलेस में शरणनवरात्रि: निजी दरबार के दौरान अनुष्ठान करते हुए मैसूरु महाराजा यदुवीर कृष्णदत्त चामराजा वाडियार

रविवार को मैसूरु में दशहरा फ्लावर शो का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने किया।

मैसूरु में भव्य शाही दशहरा उत्सव की शुरुआत हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। प्रसिद्ध संगीतकार हम्सलेखा ने रविवार को ऐतिहासिक मैसूरु दशहरा उत्सव का उद्घघाटन किया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार व मंत्रिमंडल के अन्य सहयोगियों के अलावा, सांसद प्रताप सिम्हा और अन्य विधायक उद्घघाटन समारोह के दौरान मौजूद रहे।

इस मौके पर सिद्दरामैया ने कहा कि कर्नाटक सरकार इस साल राज्य में सूखे की वजह से सरल तरीके से लेकिन परंपरा को ध्यान में रखते हुए दशहरा उत्सव का आयोजन कर रही है। उन्होंने कहा, हमने देवी चामुंडेश्वरी से प्रार्थना की है कि कम से कम मानसून के दौरान यहां अच्छी बारिश हो। मैसूरु दशहरा के महत्व का उल्लेख करते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि दुनिया भर के लोग यहां इस उत्सव को देखने आते हैं।

मैसूरु दशहरा को 'नाडा हब्बा' (राज्य उत्सव) के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि इस उत्सव के माध्यम से कर्नाटक अपने लोगों को परंपरा, संस्कृति, भाषा और राज्य द्वारा हासिल किए गए विकास से अवगत कराता है। उन्होंने कहा, हमारा राज्य कला, संस्कृति और संगीत में समृद्ध है। कर्नाटक के लोग सभ्य हैं। कर्नाटक में रहने वाले हर एक व्यक्ति के लिए यह जरूरी है फिर चाहे वह किसी भी जाति या धर्म का ही क्यों न हो, प्रेम और सम्मान के साथ रहे। हमें स्वीकार करना होगा कि यह देश और राज्य दोनों के लिए बहुत जरूरी है।

संविधान की प्रस्तावना का संकेत देते हुए सिद्दरामैया ने कहा कि कानून की नजर में हर कोई बराबर है और सभी को समान अवसर मिलने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, प्रस्तावना के उद्देश्यों को हासिल करना हर सरकार की जिम्मेदारी है। संसाधनों और अधिकारों को लोगों के बीच समान रूप से वितरण किया जाना चाहिए। इसे ही हम सामाजिक न्याय कहते हैं।

दस दिवसीय उत्सव के भव्य उद्घघाटन से पहले अन्य मंत्रियों के साथ सिद्दरामैया ने यहां देवी चामुंडेश्वरी की विशेष पूजा की। दशहरा उत्सव देवी चामुंडेश्वरी को समर्पित है, जिन्हें मैसूरु शहर और मैसूरु वाडियार शाही परिवार की प्रमुख देवी माना जाता है। इस उत्सव को देवी चामुंडेश्वरी की असुर महिषासुर पर जीत के जश्न के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि महिषासुर को पराजित करने के बाद देवी ने एक पहाड़ी को अपना निवास बनाया, जिसे चामुंडी पहाड़ी के नाम से जाना जाता है। उत्सव के दौरान अगले 10 दिनों में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

शहर के लोगों को कुश्ती प्रतियोगिता भी देखने को मिलेगी, जिसमें देश भर से पहलवान हिस्सा लेंगे। लोग यहां विजयदशमी वाले दिन मैसूरु दशहरे के भव्य समापन का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जब 'जंबो सवारी' निकाली जाती है। 'जंबो सवारी' सुसज्जित हाथियों की एक शोभा यात्रा है जिसमें देवी चामुंडेश्वरी की प्रतिमा आगे चल रहे हाथी पर स्थापित की जाती है।

सिद्दरामैया ने कर्नाटक की विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के महत्व पर जोर दिया

मैसूरु। सिद्दरामैया ने कर्नाटक की विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के महत्व पर जोर दिया मैसूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार, 15 अक्टूबर को क्षेत्र की विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने के महत्व पर जोर दिया। वह नाडा हब्बा मैसूर दशहरा के उद्घाटन समारोह में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने प्रतिष्ठित चामुंडी पहाड़ी पर मां चामुंडेश्वरी देवी की आगरा पूजा कर पारंपरिक तरीके से विश्व प्रसिद्ध मैसूर दशहरा महोत्सव का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में, सिद्दरामैया ने दशहरा के भव्य त्योहार के माध्यम से कर्नाटक की समृद्धि, प्रगति, संस्कृति और सांस्कृतिक समृद्धि को वैश्विक समुदाय तक फैलाने के महत्व को रेखांकित किया।

उन्होंने लोगों के सांस्कृतिक मूल्यों और प्रेम साझा करने की उनकी क्षमता की भी प्रशंसा की, इस बात पर जोर दिया कि सभी जातियों और धर्मों के व्यक्तियों के साथ अत्यंत प्रेम और सम्मान के साथ व्यवहार करना एक धार्मिक और नैतिक कर्तव्य है। हालाँकि, मुख्यमंत्री ने सूखे की कठोर वास्तविकता को नजरअंदाज नहीं किया, जिसने राज्य भर के 116 तालुकों को अपनी चपेट में ले लिया है, जिससे वे सूखे और बिना बारिश के रह गए हैं।

कर्नाटक में सूखे की वजह से किसानों को 30 हजार करोड़ रुपये का नुकसान : सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने रविवार को कहा कि राज्य के इस साल सूखे की वजह से किसानों को करीब 30 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। उनके अनुसार 42 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसल नष्ट हो गयी तथा राज्य के 236 तालुकों में से 216 को सूखा प्रभावित घोषित किया गया है।

उन्होंने ऐतिहासिक मैसूरु दशहरा उत्सव के उद्घाटन के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा, राज्य में 42 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसल बर्बाद हो गयी। किसानों को इस साल 30,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (एनडीआरएफ) के नियमों के मुताबिक हमने केंद्र सरकार से 4,860 करोड़ रुपये मांगे हैं, केंद्रीय दल ने सूखा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया है। सिद्दरामैया ने कहा कि राज्य सरकार किसानों को पेयजल, चारा, पशुओं के लिए पानी, रोजगार एवं अन्य राहत उपायों की खातिर सब्सिडी प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा, ''इस साल की खासियत यह है कि हमने हरित सूखा देखा है जहां फसली पौधे बड़े हो तो गये थे लेकिन उपज नहीं हुई।''

बोम्बे प्रदर्शन

बेंगलूरु के बसवनगुड़ी में दशहरे के मौके पर मेदिनी उदयगरुड़ाचार के निवास पर 'बोम्बे शो' का प्रदर्शन किया गया। विधायक उदय गरुड़ाचार के पत्नी मेदिनी ने हाल ही में गरुड़ा कॉम्पलेक्स में यह प्रदर्शनी लगाई थी। अब नवरात्रि के पहले दिन अपने निवास पर उन्होंने बोम्बे प्रदर्शनी का आयोजन किया। नवरात्रि के मौके पर कर्नाटक के पुराने घरों में आज भी बोम्बे (कठपुतली और छोटी प्रतिमाएं) का प्रदर्शन किया जाता है।

ठेकेदार और अन्य के खिलाफ आयकर विभाग के छापे में 50 करोड़ रुपये से अधिक नकदी बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आयकर विभाग के अधिकारियों ने कर्नाटक में एक ठेकेदार, उसके बेटे, एक जिम प्रशिक्षक और एक वास्तुकार सहित कई लोगों पर छापे के दौरान 50 करोड़ रुपये से अधिक नकदी बरामद की है। आयकर विभाग के एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने पहचान जाहिर नहीं करने की शर्त पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दो प्रमुख बुनियादी ढांचा कंपनियों से संबंधित 25 स्थानों पर बृहस्पतिवार को छापेमारी के बाद कई अन्य स्थानों पर छापेमारी की गई।आरोपियों के खिलाफ कर चोरी का आरोप लगाते हुए आयकर विभाग के अधिकारियों ने सहकारनगर और संजयनगर सहित विभिन्न स्थानों पर उनके कार्यालयों पर छापा मारा। इस दौरान कई दस्तावेज जब्त किये गये।

इन दोनों कंपनियों से प्राप्त सुराग के बाद, आयकर विभाग के अधिकारियों ने ठेकेदारों और कई अन्य लोगों के घरों और अन्य स्थानों की तलाशी ली। अधिकारी ने कहा, शुक्रवार तक कुल 45 स्थानों पर तलाशी ली गई, जबकि शनिवार को 10 और स्थानों पर छापेमारी की गई।

अधिकारी ने कहा, ''अभियान के तीसरे दिन शनिवार को एक वास्तुकार और एक जिम मालिक के घर पर छापा मारा गया, जहां से आठ करोड़ रुपये नकद जब्त किए गए। इसके साथ ही जब्त की गई कुल नकद राशि 50 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है।'' उन्होंने बताया कि छापेमारी अब भी जारी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सूत्रों के मुताबिक, जिस ठेकेदार के घर पर छापा मारा गया, वह पिछली भाजपा नीत सरकार पर लगे 40 फीसदी कमीशन के आरोपों का सबसे बड़ा चेहरा था। भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि बिल्डरों को ब्लैकमेल किया जा रहा है। भाजपा नेता और पूर्व मंत्री सी.टी. रवि ने कहा कि ऐसे मामले हैं जहां मकान बना रही एक प्रमुख बुनियादी ढांचा कंपनी को पानी के कनेक्शन से इनकार कर दिया गया क्योंकि उसने रिश्वत देने से इनकार कर दिया था।

उन्होंने दावा किया कि बिल्डरों से 100 रुपये प्रति वर्ग फुट की दर से रिश्वत मांगी जाती है। रवि ने आरोप लगाया, यह एक अनसुनी घटना है। ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था...।

प्रशिक्षक विमान के लिए नवंबर तक निर्माण साझेदार का नाम तय करेगा एनएएल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशाला (एनएएल) दो सीट वाले प्रशिक्षक विमान हंसा-न्यू जनरेशन' के लिए निर्माण साझेदार का नाम संभवत: एक महीने में तय कर लेगी। एनएएल के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। एनएएल में सिविल एयरक्राफ्ट' कार्यक्रम के निदेशक सी एम आनंद ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि बेंगलूरु स्थित एनएएल द्वारा किए गए बाजार के एक अध्ययन से पता चला है कि अगले पांच से 10 साल में भारत में ऐसे लगभग 400-500 विमानों की मांग हो सकती है।

एनएएल की ओर से विकसित हंसा-एनजी में एक अत्याधुनिक ग्लास कॉकपिट, एक रोटैक्स-912आईएससी स्पोर्ट इंजन और मोड़े जा सकने योग्य आगे का पहिया है। अधिकारियों ने बताया कि उन्नत प्रक्रियाओं के इस्तेमाल से निर्मित यह विमान उपकरण उड़ान नियमों (आईएफआर) के अनुरूप है, इसमें बेहतर वायुगतिकीय विशेषताएं है और इसकी रेंज भी अपेक्षाकृत अधिक है।

आनंद के मुताबिक, वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) का घटक एनएएल विमान के निर्माण के लिए निर्माण साझेदार का नाम तय करने की प्रक्रिया में है। उन्होंने बताया कि निर्माण क्षमताओं और अन्य मापदंडों के आधार पर चिह्नित किए गए संभावित साझेदारों के साथ बातचीत जारी है और एक और महीने में साझेदार का नाम तय कर लिया जाएगा।

आनंद ने कहा, निर्माण कंपनियों के भी कई सवाल हैं, जिनके जवाब दिए जा रहे हैं। हम पिछले छह महीने से काम कर रहे हैं। काम लगभग पूरा हो गया है, इसलिए हमें भरोसा है कि एक और महीने में हम साझेदार का नाम तय कर लेंगे। हम (जनवरी में हैदराबाद में आयोजित होने वाले) विंग्स इंडिया-2024' कार्यक्रम में साझेदार की घोषणा करने की योजना बना रहे हैं। यह अवसर इस घोषणा के लिए उपयुक्त है। उन्होंने कहा, हम इस समय हंसा-न्यू जनरेशन' के अपने दूसरे विमान का निर्माण कर रहे हैं, जो जनवरी तक तैयार हो जाएगा और हम 'विंग्स इंडिया 2024' कार्यक्रम में नये विमान को उड़ाने की योजना बना रहे हैं।

साइबर चोरों ने महिला से 32.73 लाख की ठगी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विजयनगर में साइबर चोरों ने एक महिला से 32.73 लाख रुपये की ठगी की है। अपराधियों ने खुद को सीमा शुल्क अधिकारी बताया और झूठा दावा किया कि इंग्लैंड से उसके नाम पर प्राप्त पार्सल में 40,000 यूके पाउंड थे, जो गायब हो गए थे।

गीता को अपने मोबाइल डिवाइस पर कथित तौर पर सीमा शुल्क अधिकारियों से एक संदेश मिला, जिसमें उसे एक पार्सल के बारे में सूचित किया गया था जो इंग्लैंड से उसके पते पर आया था, जिसमें कथित तौर पर 40,000 यूके पाउंड थे।

धनराशि का दावा करने के लिए, उसे सीमा शुल्क निकासी शुल्क के लिए भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। संदेश पर भरोसा करते हुए, गीता ने निर्देशों का पालन किया और निर्दिष्ट बैंक खाते में चरणों में कुल 32.73 लाख रुपये जमा कर दिए।

हालाँकि, आगे की पूछताछ करने पर, गीता को जल्द ही एहसास हुआ कि वह साइबर धोखाधड़ी योजना का शिकार हो गई है। यह घटना ऑनलाइन घोटालों की बढ़ती व्यापकता को उजागर करती है और सावधानी बरतने और ऐसे संदेशों और अनुरोधों की प्रामाणिकता की पुष्टि करने के महत्व को रेखांकित करती है।

राजीव का शव लेने पहली तमिलनाडु यात्रा को याद कर भावुक हो उठीं प्रियंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस महासचिव एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की बेटी प्रियंका गांधी वाड्रा उस काली रात को याद कर भावुक हो उठीं जब 30 साल पहले तमिलनाडु की उनकी पहली यात्रा हुई और जब वह महज 19 साल की उम्र में अपने पिता राजीव गांधी का पार्थिव शरीर लेने यहां पहुंची थी। गांधी की 21 मई 1991 को यहां से लगभग 40 मीटर दूर श्रीपेरंबुदूर में एक चुनावी रैली के दौरान हत्या कर दी गई थी।

संसद में पारित महिला आरक्षण विधेयक को तत्काल लागू करने की मांग को लेकर यहां द्रमुक द्वारा आयोजित महिला अधिकार सम्मेलन में अपना संबोधन शुरू करते हुए सुश्री वाड्रा भावुक हो गईं और 30 साल पहले के उस दिन को याद किया जब वह अपने पिता का शव लेने यहां आई थीं। इस सम्मेलन में

उनकी मां एवं कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी भी मौजूद थीं। उन्होंने भावुक आवाज में कहा,लगभग बत्तीस साल पहले, मेरे जीवन की सबसे अंधेरी रात में, मैंने पहली बार अपने पिता के क्षत विक्षत हुए शरीर को लेने के लिए तमिलनाडु की इस भूमि पर कदम रखा था।

सुश्री वाड्रा ने कहा ,मैं उन्नीस साल की थी जबकि मेरी मां आज मेरी जितनी उम्र है उससे कुछ ही साल छोटी थीं। जैसे ही विमान का दरवाज़ा खुला, रात ने हमें अपने घेरे में ले लिया लेकिन मैं इससे नहीं डरी क्योंकि सबसे दुखद बात यह थी कि वह घटना पहले ही हो चुकी थी जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा,कुछ घंटे पहले, मेरे पिता की हत्या कर दी गई थी। मैं उस रात अपनी मां के पास यह जानते हुए भी चली गई थी कि जो शब्द मैं बोलने वाली हूं, उससे उनका दिल टूट जाएगा। फिर भी मैंने उनसे (श्रीमती सोनिया) से बात की और मैंने देखा कि उनकी आंखों से खुशी की रोशनी हमेशा के लिए बुझ गई।

सुश्री वाड्रा ने कहा,हम विमान की सीढ़ियों से नीचे मीनांबकम हवाई अड्डे के टर्मिनल की ओर चले, हैरान और अकेले। फिर अचानक, नीली साड़ी पहने महिलाओं की भीड़ ने हमें घेर लिया।

उन्होंने कहा,वे हवाईअड्डे पर काम करने वाली महिलाएं थीं, उन्होंने मेरी मां को अपनी बाहों में जकड़ लिया और उनके साथ ऐसे फूट-फूटकर रोईं जैसे कि वे सभी मेरी माएं हों, जैसे कि उन्होंने भी अपने प्रिय को खो दिया हो।

स्टालिन ने किया कलाम की प्रतिमा का अनावरण

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को यहां पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की प्रतिमा का अनावरण किया। स्टालिन ने दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति की 92वीं जयंती पर यहां गिण्डि में अन्ना विश्वविद्यालय के परिसर में कलाम की आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया और छात्रों से बातचीत की। राज्य सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने इस प्रतिमा का निर्माण करवाया है।

रेलवे की टीम राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स में ओवरऑल चैम्पियन बनीं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । रेलवे की टीम ने राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 220 अंकों के साथ रविवार को यहां ओवरऑल खिताब जीता। पुरुष टीम का खिताब 175 अंकों के साथ सेना के नाम रहा, जबकि रेलवे की महिला टीम 156 अंकों के साथ शीर्ष पर रही। सेना के भाला फेंक खिलाड़ी मनु डीपी को 1127 अंकों के साथ सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी घोषित किया गया।

स्वर्ण पदक विजेता मनु ने अपने मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका सर्वश्रेष्ठ थ्रो 82.06 मीटर था, जो पिछले साल बनाए गए 81.23 मीटर के पिछले रिकॉर्ड से बेहतर रहा। तमिलनाडु ने पुरुषों की चार गुणा 100 मीटर रिले में 39.42 सेकंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ मीट रिकॉर्ड में भी सुधार किया।

नवरात्रि

रविवार को नवरात्रि शुरू होते ही भक्तों ने मंगलूरु के श्री कुद्रोली गोकर्णनाथ मंदिर में देवी नवदुर्गा शारदा की मूर्तियों की पूजा की।

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामले में कारगर साबित हो रहा है 'सी-विजिल' एप

विधानसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा आम चुनाव-2023 में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर कड़ी निगरानी रखने के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा बनाए 'सी-विजिल' एप शिकायतों के समाधान का बेहतरीन जरिया बनता जा रहा है। एप के माध्यम से प्राप्त शिकायतों पर रिकॉर्ड समय में कार्रवाई हो रही है। आचार संहिता लागू होने से अब तक यानि पिछले 6 दिन में प्रदेशभर में 1 लाख 35 हजार 819 लोगों द्वारा सी विजिल एप डाउनलोड किया गया है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि मनोहरपुर नगरपालिका क्षेत्र में सुबह 09 बजकर 7 मिनट पर आचार संहित उल्लंघन की शिकायत मिली जिस पर शाहपुरा एफएसटी द्वारा सुबह 9 बजकर 56 मिनट तक यानि 50 मिनट से भी कमय समय में कार्रवाई कर दी गयी। इसी तरह माउंट आबू के पास डूंडई मोड़ पर अवैध शराब के परिवहन की शिकायत मिली जिस पर पिंडवाड़ा फ्लाइंग दस्ते द्वारा 88 मिनट में कार्रवाई कर शराब को जब्त कर एफआईआर दर्ज की गयी। उदयपुर के रिषभदेव में शिलान्यास पट्टिका के मामले में आचार संहिंता के उल्लंघन की शिकायत शाम 5 बजकर 35 मिनट पर प्राप्त हुयी जिस पर 6 बजकर 14 मिनट यानि रिकॉर्ड 39 मिनट में कार्रवाई कर दी गयी।

गुप्ता ने बताया कि प्रदेश में आदर्श आचार संहिता के लागू होने के बाद प्रतिदिन 500 से ज्यादा शिकायतें मिल रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 6 दिन में प्रदेश भर से 3 हजार 566 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से रिटर्निंग ऑफिसर्स ने 674 शिकायतों को सही पाया और उनका तय समय सीमा में निस्तारण किया गया। 11 शिकायतें अभी जांच दलों और रिटर्निंग ऑफिसर्स के द्वारा निर्णय के लिए लंबित हैं।

गुप्ता ने कहा कि सी विजिल पर आदर्श आचार संहिता की सबसे ज्यादा शिकायतें 490 जयपुर जिले से प्राप्त हुईं। और सबसे ज्यादा कार्यवाही भी जयपुर जिले के रिटर्निंग आफिसर्स ने की यहां 134 शिकायतों का निस्तारण किया गया। उन्होंने बताया कि इस एप के माध्यम से अधिकतम सौ मिनट की समय सीमा में प्राप्त शिकायतों का समाधान किया जा सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अब तक आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की शिकायतों पर पर्याप्त सबूतों के अभाव में कड़ी कार्रवाई से बच जाते थे। शिकायत के सत्यापन में तस्वीर या वीडियो के रूप में दस्तावेजी साक्ष्य की कमी भी बाधा थी। नया एप इन सभी खाइयों को पाटने का काम कर रहा है।

गोविंद सिंह डोटासरा | सुभाष महरिया | दिनेश जोशी

डोटासरा को चुनौती देने के लिए बिछने लगी चौसर

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

सीकर। लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता दिनेश जोशी ने रविवार को एक वीडियो जारी कर आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशी सुभाष महरिया को वोट देने की अपील की है। इस वीडियो के जारी होने के बाद पिछले काफी समय से जोशी के रुख के बारे में चली आ रही चर्चाओं को विराम लग गया है।दरअसल लक्ष्मणगढ़ में भाजपा को जीतने के लिए जोशी के खुले समर्थन की बेहद जरूरत थी, जो अब सार्वजनिक रूप से मिल गया है।

ज्ञातव्य है कि इस बार राजस्थान के चुनाव में लक्ष्मणगढ़ एक हॉट सीट में शुमार है। यहां से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा चुनाव लड़ेंगे। वे लगातार तीन बार चुनाव जीत चुके हैं। इस बार डोटासरा जीत की चौकड़ी लगाने के चक्कर में हैं।

आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में इस सीट पर पुराने प्रतिद्वंद्वी फिर से आमने-सामने हो रहे हैं। मजे की बात है कि पिछले चुनाव में महरिया और डोटासरा कांग्रेस में एक साथ रहते हुए जोशी से मुकाबला कर रहे थे, लेकिन बदली सियासी गणित में महरिया ने वर्ष 2013 में डोटासरा से मिली हार का बदला लेने की खातिर पुनः भाजपा में आकर अपनी जीत की तिगड़ी लगाने वाले कांग्रेस के अजय योद्धा डोटासरा को जोशी की मदद से पटकनी देने के लिए कमर कसी है। काबिलेगौर है कि जोशी भी डोटासरा के सामने हार की तिगड़ी बना चुके हैं, ऐसे में इस बार महरिया-जोशी मिलकर कांग्रेस के दिग्गज को नाकों चने चबाने की फिराक में हैं।

सियासत के खेल में कभी बौने समझे जाने वाले वाले डोटासरा ने लक्ष्मणगढ़ से लगातार तीन बार जीत हासिल कर महारथी समझे जाने वाले खिलाड़ियों को दिन में तारे दिखा चुके हैं। उनकी यकायक बढ़ी सियासी ताकत से न केवल प्रतिपक्ष के नेता परेशान हैं बल्कि कांग्रेस पार्टी में भी घोर विरोध उपज गया है। आने वाले चुनाव में डोटासरा के खिलाफ चारों ओर से तगड़ी लामबंदी होगी, जिसमें विरोधियों के साथ-साथ उनके अपने भी अलग रंग में नजर आएंगे। डोटासरा ने लक्ष्मणगढ़ में अपने इस कार्यकाल में विकास के न भूतो न भविष्यति के आयाम स्थापित किए हैं। विकास कार्यों को देखते हुए तो उनके सामने कोई भी विरोधी टिक नहीं सकता लेकिन उनका बेधड़क अंदाज में बोलना चुनाव नतीजे को किस रूप में ले जाएगा, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा.

कुल मिलाकर लक्ष्मणगढ़ विधानसभा क्षेत्र का चुनाव इस दफा काफी रोचक होगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। इस चुनाव में डोटासरा के तमाम विरोधी एक मंच पर नजर आएंगे और वे अपने ही अंदाज में चुनाव मैदान की पिच पर खेलते दिखाई देंगे। चुनाव का नतीजा डोटासरा के पक्ष में अगर आया तो वो कांग्रेस के प्रदेश में एक इतने बड़े नेता होंगे, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती और नतीजा उनके विपरीत आता है तो वे क्रिकेट के नर्वस 90 खिलाड़ियों की श्रेणी में आ सकते हैं।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका, गिरीश चौधरी बसपा में हुए शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस को भरतपुर में बड़ा झटका लगा है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश चौधरी ने रविवार को बसपा पार्टी ज्वाइन कर ली। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पार्टी भरतपुर से प्रत्याशी बनाती है तो चुनाव अवश्य लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और बसपा पार्टी की विचारधारा लगभग मिलती-जुलती हैं साथ ही कांग्रेस और आरएलडी के गठबंधन के चलते कांग्रेस के कार्यकर्ता व नेताओं को अपना भविष्य अंधकार में दिखाई दे रहा है। यही वजह है कि उन्होंने कांग्रेस को छोड़ बसपा का दामन थामा है। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने गिरीश चौधरी को पार्टी का दुपट्टा पहनाकर सदस्यता ग्रहण कराई। उन्होंने कहा कि इन्हें भरतपुर से बसपा का प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा जाएगा। वही गिरीश चौधरी ने कहा कि उन्हें काफी लंबा समय कांग्रेस में कार्य करते हो गया, लेकिन जब उन्हें कांग्रेस पार्टी में आगे भविष्य नहीं दिखाई दिया तो बसपा का दामन थाम लिया।

कांग्रेस और बहुजन समाज पार्टी की विचारधारा 90% एक समान है। कांग्रेस ने आरएलडी के साथ राजनीति गठबंधन कर लिया है। स्वयं के सिंबल पर चुनाव लड़ने का कोई विचार नहीं है। मैं जातिवाद पर विश्वास नहीं करता लेकिन जाट समाज में जन्मा हूं और सभी समाजों को साथ लेकर चलने पर विश्वास रखता हूं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में नगर निगम में पार्षदों का दम घुट रहा है, जहां पार्षदों की अनुशंसा पर कार्य होते हैं यहां पर नहीं हो रहे। सभी साथी फैसला करके बहुजन समाज पार्टी में शामिल हुए हैं। अगर बसपा पार्टी भरतपुर से प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ने का मौका देती है तो मैं चुनाव अवश्य लड़ूंगा और लोगों की सेवा करने पर विशेष ध्यान दूंगा।

उन्होंने बिना किसी का नाम लेते हुए कहा कि भरतपुर में भ्रष्टाचार कहां-कहां हो रहा है, लूट मची हुई है, कहां जमीनें गिरवी रखवाई जा रही हैं सभी को इस बारे में जानकारी है लेकिन बोलता कोई नहीं। जनता की सेवा करने के लिए रास्ता निकालना पड़ता है इसलिए बसपा पार्टी में शामिल हुआ हूं।

राजनीतिक दलों को चुनाव प्रसारण का दूरदर्शन एवं रेडियो चुनाव प्रसारण का समय आवंटित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। देश के निर्वाचन आयोग ने राजस्थान में आगामी 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए राजनीतिक दलों को रीजनल दूरदर्शन एवं ऑल इंडिया रेडियो चुनाव प्रसारण के लिए समय का आवंटन किया गया हैं। राज्य निर्वाचन विभाग के अनुसार कांग्रेस को 189 मिनट का समय आवंटित किया गया जिसमें 5-5 मिनट का 37 बार और एक बार चार मिनट का प्रसारण कर सकती है। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 187 मिनट का समय आवंटन किया गया जिसमें वह 5-5 मिनट का 37 बार और एक बार दो मिनट का चुनाव प्रसारण कर सकती है।बहुजन समाज पार्टी (बसपा) को 60 मिनट का समय आवंटन हुआ जिसमें वह 5-5 मिनट का 12 बार प्रसारण कर सकती है। इसी तरह मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) को 49 मिनट में 5-5 मिनट का 9 बार और एक बार 4 मिनट का पार्टी प्रसारण कर सकती है। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी को को 54 मिनट का समय आवंटन हुआ जिसमें वह 5-5 मिनट का 10 बार और एक बार 4 मिनट का चुनाव प्रसारण कर सकती है।

कांग्रेस पूर्वी राजस्थान में मत प्रतिशत मजबूत करने के लिए ईआरसीपी का लेगी सहारा

विधानसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस सोमवार को पूर्वी राजस्थान के बारां जिले से अपने चुनाव अभियान की शुरुआत 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग को प्रमुखता से उठाने के साथ करेगी । पार्टी का लक्ष्य इस क्षेत्र की 83 विधानसभा सीटों में से बड़ी संख्या में सीटें हासिल करना है। 2018 के चुनाव में क्षेत्र के 13 जिलों की 83 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस ने 49 पर जीत हासिल की, जबकि भरतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 25 पर जीत हासिल की। आठ सीटों पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीत हासिल की थी, जबकि अन्य पर राष्ट्रीय लोकदल ने जीत हासिल की थी।

राजस्थान में विधानसभा चुनाव 25 नवंबर को होंगे जबकि वोटों की गिनती तीन दिसंबर को होगी। कांग्रेस ने पूर्वी राजस्थान में अपना अभियान बारां से शुरू करने की योजना बनाई है, जो प्रस्तावित 'पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना' (ईआरसीपी) के तहत आने वाले जिलों में से एक है। उसने पहले ही प्रचार के लिए नारा दिया है 'किया दिल से, कांग्रेस फिर से'।

ईआरसीपी एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जो मूल रूप से पिछली भाजपा सरकार द्वारा क्षेत्र के 13 जिलों के निवासियों की सिंचाई और पीने के पानी की समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए प्रस्तावित की गई थी। पूर्वी राजस्थान में झालावाड़, बारां, कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, अजमेर, टोंक, अजमेर, दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर और धौलपुर जिले शामिल हैं। कांग्रेस अभियान के तहत हर दिन पूर्वी राजस्थान के दो जिलों को कवर करेगी। पार्टी के एक नेता ने कहा कि यह हर जिले में एक जनसभा भी आयोजित करेगी जिसे राज्य और राष्ट्रीय स्तर के नेता संबोधित करेंगे।

2018 में राजस्थान में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ईआरसीपी को राष्ट्रीय दर्जा देने की मांग करते हुए भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र को घेर रहे हैं। इस परियोजना पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आने का अनुमान है, जिससे 13 जिलों में दो लाख हेक्टेयर में सिंचाई सुविधाएं बढ़ाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को संवाददाताओं से बातचीत में कहा था कि हम ईआरसीपी पर केंद्र के विश्वासघात के खिलाफ यात्रा निकाल रहे हैं। हम 16 अक्टूबर को बारां जिले से अपना चुनाव अभियान शुरू कर रहे हैं। कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे आ रहे हैं और प्रियंका गांधी वाद्रा 20 अक्टूबर को सिकराय में एक रैली को संबोधित करेंगी।''

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी भाजपा को 'बेनकाब' करने के लिए छोटी और बड़ी जनासभाएं आयोजित करेगी। उन्होंने कहा देश में राष्ट्रीय महत्व की सोलह परियोजनाएं चल रही हैं और 17वीं भी हो सकती है। गहलोत ने आरोप लगाया कि अगर परियोजना तेज गति से पूरी होती तो (क्षेत्र में) जल संकट कम हो सकता था लेकिन उन्होंने (केंद्र) पांच साल में इसमें बाधाएं पैदा कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने उस परियोजना को नहीं रोका, जिसे पिछली भाजपा सरकार ने प्रस्तावित किया था। बल्कि उसे आगे बढ़ाया। कांग्रेस ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में चुनावी रैलियों के दौरान ईआरसीपी को राष्ट्रीय दर्जा देने का वादा किया था।

हालाकि, भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर परियोजना पर राजनीति करने और इसे पूरा करने की दिशा में सकारात्मक कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने शनिवार को कहा अशोक गहलोत इस (ईआरसीपी) मुद्दे पर राजनीति करना चाहते थे। यह गहलोत की विफलता थी। बार-बार बातचीत के बावजूद राजस्थान से कोई सकारात्मक सहयोग नहीं मिला। उन्होंने कहा, मध्य प्रदेश से एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) नहीं मिलने, राजस्थान सरकार की जिद और नियमों के विपरीत परियोजना को लागू करने की गहलोत की जिद के कारण परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, 'गहलोत की प्राथमिकता राजनीति है, लोगों के लिए पानी नहीं।'

उन्होंने दावा किया कि मध्य प्रदेश और राजस्थान सरकारों द्वारा परियोजना के लिए सैद्धांतिक सहमति देने के बावजूद, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण काम अटक गया। शेखावत ने कहा कि चुनाव के बाद राजस्थान में भाजपा सरकार बनाएगी और ईआरसीपी को नदी जोड़ो परियोजना के रूप में लागू किया जाएगा। कांग्रेस के एक नेता ने कहा कि पार्टी का लक्ष्य पूर्वी राजस्थान में अपनी बढ़त बनाए रखना है और कहा कि लक्ष्य हासिल करने में ईआरसीपी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुलाकात

जयपुर में रविवार को अपने आवास पर प्रदेशभर से आएं कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों से मुलाकात करती पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे।

गोरी नागौरी, कांग्रेस प्रवक्ता रहे वेद प्रकाश शर्मा और मनोज लवाना ने ली आम आदमी पार्टी की सदस्यता

जयपुर/दक्षिण भारत। आम आदमी पार्टी का कुनबा राजस्थान में भी लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश कार्यालय जयपुर में बिग बॉस फेम गोरी नागोरी, कांग्रेस के प्रवक्ता रहे वेद प्रकाश शर्मा समेत मनोज लवाना ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली। प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा ने सभी लोगों को पार्टी की सदस्यता दिलाई और उनको उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा ने कहा कि आम आदमी पार्टी एक मात्र ऐसी पार्टी है जो सर्वसमाज को लेकर चलती है इसलिए हर तबके के लोग आप से जुड़ रहे हैं ताकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के बदलाव की राजनीति की मुहिम में हिस्सेदार बन सकें। विनय मिश्रा ने कहा कि ये तो अभी शुरुआत है अभी बहुत से बड़े नाम आम आदमी पार्टी के संपर्क में हैं जल्द ही वो भी सामने आ जाएंगे। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली और पंजाब में जो बदलाव देखने को मिला है उसमे अब नए अध्याय के रूप में राजस्थान का नाम भी जुड़ने वाला है। वहीं गोरी नागौरी ने कहा कि आम आदमी पार्टी शासित दिल्ली और पंजाब में जनता को जो सुविधाएं और योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है उससे प्रभावित और अरविंद केजरीवाल जी की ईमानदार राजनीति से प्रेरित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया है।

देश की जिम्मेदार नागरिक होने के नाते मेरी भी ये जिम्मेदारी है कि राजस्थान की जनता की उन समस्याओं का समाधान हो जिनसे जनता जूझ रही है और समस्याओं का समाधान सिर्फ आम आदमी पार्टी ही कर सकती है क्योंकि आम आदमी पार्टी ज़मीन से जुड़ी हुई पार्टी है और लोगों की तकलीफ समझती है। इसलिए आने वाले समय में राजस्थान में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

मुलाकात

जोधपुर में रविवार को अपने आवास पर मिलने आए क्षेत्रवासियों से मुलाकात करते केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत।

कोटा में प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए छात्र 'डमी' स्कूल का कर रहे हैं चयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/कोटा। बिहार के गया जिले की रहने वाली रिद्धिमा ने अपने गृह जिले में 11वीं कक्षा में दाखिला लिया है, लेकिन वह मीलों दूर राजस्थान के कोटा में रहकर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) की प्रवेश परीक्षा 'जेईई-एडवांस्ड' की तैयार कर रही है। रिद्धिमा ऐसी अकेली विद्यार्थी नहीं है, उसकी तरह इंजीनियरिंग और मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी करने वाले करोड़ों छात्र-छात्राएं इसी तरह के 'डमी' स्कूलों में प्रवेश लेना पसंद करते हैं, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी पर पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर सकें।

'डमी' स्कूल में छात्रों को रोजाना जाने की आवश्यकता नहीं होती है, वे सीधे बोर्ड परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। रिद्धिमा ने बताया, कई छात्र अपने गृहनगर में एक डमी स्कूल में प्रवेश लेने का विकल्प चुनते हैं ताकि वे बोर्ड परीक्षा से दो महीने पहले घर वापस जा सकें। कोचिंग पाठ्यक्रम भी तब तक समाप्त हो जाते हैं। वे फिर दो महीने बोर्ड परीक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करते हैं और इसके बाद मुख्य लक्ष्य--प्रवेश परीक्षाओं-- के लिए पाठ्यक्रमों को दोहराते हैं। मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे रूड़की के हर्षवर्धन ने भी अपने गृहनगर के एक डमी स्कूल में दाखिला लिया है। उसने कहा, स्कूल में उपस्थिति की कोई जरूरत नहीं है और छात्रों से किसी आंतरिक परीक्षा में शामिल होने की भी उम्मीद नहीं की जाती है।

कोटा में अलग-अलग डमी स्कूलों के पोस्टर उनकी दरों के साथ पूरे शहर में लगे हैं। 15,000 रुपये से लेकर 50,000 रुपये तक के डमी स्कूल उन बोर्डों के आधार पर रकम लेते हैं, जिनसे वे संबद्ध हैं। कुछ राज्यों के छात्रों के लिए मेडिकल और इंजीनियरिंग संस्थानों में उपलब्ध सीट संख्या को ध्यान में रखते हुए अभ्यर्थी डमी स्कूलों का चयन करते हैं। कोटा में प्रतियोगी परीक्षा के अभ्यर्थियों के बीच आत्महत्याओं की संख्या इस साल रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के साथ, विशेषज्ञों ने डमी स्कूल की अवधारणा के खिलाफ चेतावनी दी है।

ट्रक और क्रूजर जीप की भिड़ंत में सात लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर एक ट्रक और क्रूजर जीप की भिड़ंत में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य घायल हो गए। थानाधिकारी मदनलाल ने बताया कि रतनपुर सीमा के पास एक ट्रक ने आगे चल रही क्रूजर जीप को टक्कर मार दी, जिससे क्रूजर में सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए। इनमें से गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को डूंगरपुर रैफर कर दिया गया है। मदनलाल के अनुसार, घटना की सूचना पर जिला कलेक्टर लक्ष्मी नारायण मंत्री और पुलिस और प्रशासन के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

असम के युवाओं ने ड्रोन के लिए तैयार किया एआई आधारित नया प्लेटफॉर्म

गुवाहाटी/भाषा। सैन्य, व्यवसायिक और अन्य गतिविधियों में क्रांति लाने का काम करने वाले ड्रोन के लिए 'यातायात प्रबंधन' की जरूरत का समाधान तलाशते हुए दो उद्यमियों ने एक स्टार्ट अप शुरू किया है, जो इन हवाई उपकरणों को उड़ान के दौरान होने वाली तमाम परेशानियों को दूर करने का काम करेगा। ड्रोन द्वारा पता लगाने और उसपर जवाबी कार्रवाई जैसे उपायों के लिए पहले से ही भारतीय वायु सेना के साथ काम कर रहे असम के ये दोनों उद्यमियों ने अब एक कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) वाला हवाई क्षेत्र प्रबंधन प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जिसे 11 अक्टूबर को संपन्न हुए दो दिवसीय रक्षा प्रदर्शनी 'ईस्ट टेक 2023' में लॉन्च किया गया था।

एवीजीएआरडीई के प्रबंध निदेशक और सह-संस्थापक मानस भुइयां ने पीटीआई-भाषा को बताया, 'अधिकांश कंपनियां ड्रोन बना रही हैं, जबकि हम ड्रोन एयरस्पेस प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं क्योंकि यह ड्रोन इकोसिस्टम के सतत विकास के लिए उतना ही जरूरी है । जैसे वाहनों को सड़कों पर सुरक्षित और कुशल तरीके से चलने के लिए यातायात प्रबंधन की आवश्यकता होती है, ठीक उसी तरह ये चीज ड्रोन एयरस्पेस पर भी लागू होती है।' मानस एवं नीलोत्पल चौधरी ने साथ मिलकर 2018 में एवग्रेड सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड (एवीजीएआरडीई) की स्थापना की थी। यह एक स्टार्टअप था, जिसे आईआईएससी बैंगलोर और आईआईटी गुवाहाटी में स्थापित किया गया था। रेडियो फ्रीक्वेंसी व वायरलेस तकनीक के इस्तेमाल पर केंद्रित यह स्टार्ट-अप कम ऊंचाई वाले हवाई क्षेत्र प्रबंधन के लिए एआई-संचालित 'ऑब्जेक्ट सेंसिंग प्लेटफॉर्म' का निर्माण कर रहा है। इस स्टार्ट अप के दोनों संस्थापक अपने जुनून को नई दिशा देने के लिए दुबई और जर्मनी से वापस भारत लौटे हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 'स्वच्छ त्योहार, स्वस्थ त्योहार' अभियान शुरू किया

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने आगामी त्योहारों के मद्देनजर मंदिरों और आसपास के क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान शुरू कर दिया है। इसके लिए योगी सरकार 'स्वच्छ त्योहार, स्वस्थ त्योहार' अभियान चला रही है। नगर विकास एवं ऊर्जा विभाग ने प्रदेश के सभी नगर निकायों में साफ सफाई के लिए क्लीनलीनेस इज नेक्स्ट टू गॉडलीनेस का मूल मंत्र देते हुए नवरात्र, दशहरा व दीपावली जैसे त्योहारों को स्वच्छ त्यौहार, स्वस्थ्य त्यौहार के रूप में मनाने का संदेश जारी किया है।

राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक विभाग की ओर से इसके लिए सभी निकाय अधिकारियों और कर्मचारियों को धार्मिक स्थलों, मठ-मंदिरों और दुर्गा पूजा पंडालों के आसपास के क्षेत्र, वहां की सड़कों-गलियों की बेहतर साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के नगर विकास मंत्री ए. के. शर्मा ने नगरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को रविवार को वर्चुअल बैठक के जरिये निर्देशित किया कि त्योहारों में श्रद्धालुओं को आने-जाने में परेशानी ना हो और इसके लिए स्ट्रीट लाइट सही कराई जाएं। मंत्री ने कहा कि स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति में कहीं पर भी कोई बाधा न आए और श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित पूजा सामग्री और कूड़े-कचरे का ठीक से निस्तारण भी कराया जाए। उन्होंने कहा कि पूजा स्थलों के आसपास कूड़दान रखवाया जाय और इसमें जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लिया जाए।

भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने में शहरी विकास की महत्वपूर्ण भूमिका : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि शहरी विकास आज की आवश्यकता है और भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

शारदीय नवरात्र के पहले दिन रविवार को मुख्यमंत्री ने अपने गृह जिले गोरखपुर में 233.20 करोड़ रुपये लागत की 303 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, यहां नगर निगम परिसर में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने 189 विकास कार्यों का शिलान्यास और 114 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

समारोह को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, 'नगरीय विकास आज की आवश्यकता है। भारत को दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने में नगरीय विकास की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। इससे लोगों को शासन की योजनाओं का लाभ तो मिलेगा ही, बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की संभावना भी बढ़ेगी।'

बयान में कहा गया कि इस दौरान योगी के समक्ष नगर निगम एवं नेशनल थर्मल पॉवर कॉरपोरेशन (एनटीपीसी) के बीच कूड़े से चारकोल बनाने का संयंत्र स्थापित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) का आदान-प्रदान भी हुआ।

योगी ने कहा, 'स्मार्ट सिटी की परिकल्पना को साकार करने के लिए सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की महती भूमिका है। गोरखपुर नगर निगम ने एनटीपीसी के सहयोग से इस दिशा में बड़ा कदम बढ़ाया है। एनटीपीसी की तरफ से संयंत्र लगाए जाने के बाद नगर निकायों का कूड़ा चारकोल के रूप में बिजली उत्पादन का साधन बनेगा।'

मुख्यमंत्री ने कहा, 'नगरीय विकास के क्षेत्र में अनियोजित और अवैज्ञानिक विकास की सोच ने बड़ी समस्या खड़ी कर दी थी। जगह-जगह कूड़े का पहाड़ दिखता था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत अभियान ने इस समस्या के निदान में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन किया है।'

निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय ने मछुआरा समुदाय के लिए एससी दर्जे की मांग को लेकर पदयात्रा शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल निर्बल इंडियन शोषित हमारा आम दल (निषाद) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश सरकार के मत्स्य मंत्री संजय निषाद ने अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले रविवार को मछुआरा समुदाय को अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा देने की मांग को लेकर पदयात्रा शुरू की। पार्टी की ओर से जारी एक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार, 'महाजनसंपर्क पदयात्रा' मंत्री निषाद के सरकारी आवास एक विक्रमादित्य मार्ग से शुरू हुई और राज्य के संत कबीर नगर जिले में समाप्त होगी।

इस अवसर पर निषाद ने अपने संबोधन में कहा कि ''हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के लिए निषाद समुदाय के प्रत्येक वोट को एकत्र करेंगे और 2024 के लोकसभा चुनाव में उसकी जीत सुनिश्चित करेंगे।''

निषाद ने कहा, ''यह एक 'महाजनसंपर्क यात्रा' है जिसके माध्यम से हम लोगों तक पहुंचने की कोशिश करेंगे। हम उन लोगों को बेनकाब करेंगे जो आरक्षण पर लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे थे।''

उत्तर प्रदेश विधानसभा में निषाद पार्टी के छह विधायक हैं जबकि संजय निषाद के पुत्र प्रवीण निषाद संत कबीर नगर से भारतीय जनता पार्टी के सांसद और एक पुत्र सरवन कुमार निषाद गोरखपुर जिले के चौरीचौरा क्षेत्र से भाजपा के विधायक हैं। संजय निषाद खुद विधान परिषद के सदस्य हैं।

मदरसा छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तालीम देने की मुहिम शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश सरकार ने मदरसों में आधुनिक शिक्षा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए वहां छात्र-छात्राओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसी अत्याधुनिक तकनीक की तालीम देने की पहल की है। प्रदेश के मदरसों में अभी इसे एक पायलट परियोजना के तौर पर शुरू किया गया है। हालांकि, भविष्य में परियोजना को और भी बेहतर बनाया जाएगा। वहीं, मदरसा शिक्षकों के एक संगठन का कहना है कि सरकार को अगर इस परियोजना को संजीदगी से आगे बढ़ाना है, तो मदरसों में जरूरी व्यवस्थाओं को मुकम्मल करना होगा।

उत्तर प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने बताया कि मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को एआई जैसी भविष्य की बेहद उज्ज्वल प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी देने के लिए सरकार ने एक अनूठी पहल की है, जिसके तहत 4 अक्टूबर से विशेष अभियान शुरू किया गया। उन्होंने बताया कि सरकार ने डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट टीमयूपीएआई डॉट ओआरजी नामक एक वेबसाइट तैयार की है, जिस पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता क्या है, भविष्य में इनसान की जिंदगी के तमाम पहलुओं पर इसका क्या असर पड़ेगा, एआई क्षेत्र में रोजगार के क्या अवसर हैं और देश की तरक्की के लिए एआई का किस तरह बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है, जैसे प्रश्नों के संबंध में सुव्यवस्थित मॉड्यूल बनाकर मदरसों के बच्चों को तालीम दी जा रही है।

अंसारी के मुताबिक, वेबसाइट के जरिये रोजाना किसी विशेषज्ञ को जोड़कर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े मॉड्यूल को पढ़ाया जाता है। प्रदेश के करीब 16,000 मदरसों में इस सत्र का लिंक भेजा जाता है, जिसकी मदद से छात्र-छात्रा इसका सजीव प्रसारण देख पाते हैं। इस सवाल पर कि क्या मदरसों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता पढ़ाने के लिए अलग से शिक्षक रखे जाएंगे, अंसारी ने कहा कि बच्चों को इस नई तकनीक के बारे में प्रत्यक्ष रूप से बताने के लिए मदरसों के शिक्षकों का पिछले दिनों प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया था, जिसमें उन्हें एआई से जुड़े विभिन्न पहलुओं के बारे में बारीकी से समझाया गया था।

बरेली : नाबालिग के साथ अश्लील हरकतें करने के आरोप में अनाथालय का प्रधान गिरफ्तार

बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली शहर के एक अनाथालय में आठ साल की अनाथ छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने अनाथालय के प्रधान को गिरफ्तार किया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बरेली शहर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) धर्मेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस को अनाथालय के स्टाफ ने शिकायती पत्र देते हुए आरोप लगाया था कि 31 जुलाई को मध्यावकाश के वक्त अनाथालय के प्रधान ने एक अनाथ बच्ची के साथ अश्लील हरकतें की थीं, जिसकी शिकायत खुद छात्रा ने वार्डन से बातचीत के दौरान की थी। पत्र के मुताबिक, पीड़िता ने मामले की जानकारी अनाथालय में रहने वाली अपनी बड़ी बहन को भी दी थी। एसएचओ के अनुसार, आरोपी प्रधान ओमकार आर्य (39) बरेली कैंट थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आर्य के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

म्यांमा के नागरिक के पास से 45 करोड़ रु. का मादक पदार्थ जब्त

आइजोल/भाषा। मिजोरम के चम्फाई जिले से असम राइफल्स ने म्यांमा के 24 वर्षीय युवक के पास से 'मेथमफेटामाइन की डेढ़ लाख गोलियां बरामद की हैं। इसकी कीमत 45 करोड़ रुपये है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। अर्धसैनिक बल ने रविवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए, असम राइफल्स के जवानों ने शुक्रवार को मिजोरम-म्यांमा सीमा पर चम्फाई जिले के ज़ोखावथर में एक अभियान चलाया। इसमें कहा गया है कि अभियान के दौरान म्यांमा के एक नागरिक के कब्जे से मेथमफेटामाइन की लगभग 1.5 लाख गोलियां (15 किलोग्राम) जब्त की गईं, जिनका मूल्य 45 करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया है कि आरोपी को आगे की कानूनी कार्यवाही के लिए चम्फाई पुलिस को सौंप दिया गया है।

परिवार से तिरस्कृत कुष्ठ रोगी महिला और पुरुष ने ठीक होने पर 60 पार की उम्र में रचाई शादी

बालासोर (ओडिशा)/भाषा। कुष्ठ रोग होने पर अपने-अपने परिवारों द्वारा तिरस्कृत एक पुरुष और महिला ने इस बीमारी से मुक्त होने के बाद 60 वर्ष से अधिक की उम्र में एक-दूसरे के साथ जिंदगी गुजारने का फैसला किया और शादी कर ली। बालासोर के सदर ब्लॉक के तहत आने वाले सार्था गांव के एक व्यक्ति ने बताया कि जिले के रेमुना ब्लॉक में बामपाड़ा के एक सरकार द्वारा प्रायोजित कुष्ठ रोग उपचार केंद्र में चार वर्ष तक इलाज कराने वाले दासा मरांडी (63) पुरुष वार्ड में भर्ती रहे क्योंकि उनके परिवार के सदस्यों ने चर्म रोग होने पर उन्हें त्याग दिया था।

कुछ ऐसी ही स्थिति पद्मावती (65) की थी। उसे 10 वर्ष तक उपचार के दौरान अस्पताल में अकेले छोड़ दिया गया। उसके पति की मौत हो गई थी और परिवार के अन्य सदस्यों ने उसे अपने हाल पर छोड़ दिया। दोनों अब बीमारी से उबर चुके हैं। लेकिन चिकित्सकों द्वारा पूरी तरह स्वस्थ घोषित किए जाने के बावजूद उनके परिवारों ने उन्हें अपनाया नहीं। बालासोर के एक वकील और सामाजिक कार्यकर्ता निरंजन परीदा ने कहा, ''रूढ़िवादी ग्रामीण समाज में एक वक्त में कलंक मानी जाने वाली इस बीमारी को लेकर अब भी लोगों की मानसिकता बदली नहीं है।'' अपने सगे-संबंधियों द्वारा छोड़ दिए जाने के बाद दासा और पद्मावती ने बाकी की जिंदगी एक साथ गुजारने का फैसला किया है।

मिजोरम में एमएनएफ सत्ता में लौटेगी, 25-35 सीट जीतने की उम्मीद : जोरामथांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

आइजोल/भाषा। मिजोरम के मुख्यमंत्री जोरामथांगा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी 'मिजो नेशनल फ्रंट' (एमएनएफ) सत्ता में लौटेगी और 40-सदस्यीय विधानसभा के लिए हो रहे चुनाव में 25-35 सीट हासिल करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि 2018 के विधानसभा चुनावों में एमएनएफ द्वारा सत्ता से बेदखल हो चुकी कांग्रेस सात नवम्बर को होने वाले चुनाव में एक भी सीट हासिल नहीं कर सकेगी।

जोरामथांगा ने 'पीटीआई वीडियो' को दिये साक्षात्कार में बताया, ''हम आगामी विधानसभा चुनावों के लिए खुद को तैयार करने में व्यस्त हैं। हमें वास्तव में उम्मीद है कि हम बहुमत हासिल करने और (फिर से) सरकार बनाने में सक्षम होंगे।... मैं 25 से 35 सीट हासिल करने की उम्मीद कर रहा हूं।'' उन्होंने कहा, ''जहां तक कांग्रेस का सवाल है, अगर उन्हें एक या दो सीट मिल जाती हैं तो हम उन्हें भाग्यशाली मानेंगे; अन्यथा उन्हें एक भी सीट नहीं मिलनी है।... भाजपा को, अधिक से अधिक, दो सीट मिल सकती हैं..ऐसा न हो कि उसे भी एक सीट न मिले.. और हमारे प्रतिद्वंद्वी, ज़ोरम पीपल्स मूवमेंट (जेडपीएम)... अगर वे 10 (सीट) का आंकड़ा पार करते हैं, तो पार्टी भाग्यशाली रहेगी.. इसलिए, हमारे लिए सरकार बनाने की अपार संभावना है।''

अरुणाचल में 'एयर शो' का आयोजन कर सकती है वायुसेना : एयर मार्शल धारकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) अरुणाचल प्रदेश में एक 'एयर शो' आयोजित कर सकती है, जो चीन की सीमा से लगते एवं सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस पूर्वोत्तर राज्य में पहला वायुशक्ति प्रदर्शन होगा। एयर मार्शल एस. पी. धारकर ने रविवार को यह जानकारी दी।

पूर्वी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ (एओसी-इन-सी) ने संवाददाताओं को बताया कि अरुणाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी क्षेत्र में 'एयर शो' आयोजित करना बेहद चुनौतीपूर्ण है, लेकिन वायुसेना के लिए यह एक 'दिलचस्प' विचार है।

जब उनसे पूछा गया कि क्या भारतीय वायुसेना आमलोगों को अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए अरुणाचल प्रदेश में 'एयर शो' करेगी, धारकर ने कहा, ''यह एक दिलचस्प प्रस्ताव है, मुझे यकीन है कि हम इस पर गौर करेंगे।'' धारकर ने कहा, ''हो सकता है कि आप अगला एयर शो कवर करें, जिसे हम निकट भविष्य में अरुणाचल प्रदेश के कुछ स्थानों पर आयोजित करेंगे।'

भारतीय वायुसेना ने रविवार को बोरझार स्टेशन पर हवाई करतब का आयोजन किया, जिसमें विभिन्न हेलिकॉप्टर और सुखोई-30 तथा राफेल जैसे लड़ाकू विमान शामिल थे।

एशियाई खेलों से पहले खेल को अलविदा कहने का मन बना चुकी थी : भालाफेंक खिलाड़ी अन्नुरानी

नई दिल्ली/भाषा। हांगझोउ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने से पहले अपने लगातार खराब प्रदर्शन से भालाफेंक खिलाड़ी अन्नु रानी इतनी परेशान हो गई थी कि उन्होंने खेल को अलविदा कहने का मन बना लिया था । अन्नु ने भाषा को दिये इंटरव्यू में कहा ,''इस साल मैने बहुत संघर्ष किया है । मैं विदेश में अभ्यास करने गई थी । सरकार से जिद करके विदेशी कोच से सीखने गई थी लेकिन मेरा प्रदर्शन गिर गया । पूरा साल खराब हो चुका था । एक के बाद एक हर प्रतियोगिता में खराब प्रदर्शन हो रहा था ।'' उन्होंने कहा ,''मैने एशियाई खेलों से पहले सोच लिया था कि मैं खेल छोड़ दूंगी । इतनी कोशिश के बावजूद कुछ जीत नहीं पा रही थी । सरकार और साइ ने मुझ पर इतना पैसा लगाया है लेकिन मैं प्रदर्शन नहीं कर पा रही थी । बुडापेस्ट में विश्व चैम्पियनशिप के बाद मैने खेल को अलविदा कहने के बारे में सोच लिया था ।''

अन्नु अगस्त में बुडापेस्ट में विश्व एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में 57 . 05 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ 11वें स्थान पर रही और फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी । वह सितंबर में ब्रसेल्स में डायमंड लीग में 57 . 74 मीटर के थ्रो के साथ सातवें स्थान पर रही । पूरे सत्र में वह 60 मीटर का आंकड़ा नहीं छू सकी थी । हांगझोउ में एशियाई खेलों में हालांकि 69.92 मीटर के थ्रो के साथ उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर खराब फॉर्म को अलविदा कहा । खेल से संन्यास का अपना फैसला बदलने के बारे में उन्होंने कहा ,'' मन में आया कि इतने संघर्ष झेलकर अभावों से निकलकर मैं यहां तक आई हूं तो एशियाई खेलों में एक आखिरी चांस लेकर देखती हूं । मैने मेहनत की और मुझे यह विश्वास था कि अच्छा खेलूंगी और पदक भी जीतूंगी ।''

पाक के बल्लेबाज मेरी गेंदों को नहीं समझ पाए, स्वीप शॉट को लेकर भ्रम में थे : कुलदीप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव का मानना है कि वह पाकिस्तान के बल्लेबाजों के दिमाग में भ्रम पैदा करने में सफल रहे, जिन्होंने शनिवार को यहां खेले गए विश्व कप मैच में उनकी गेंदों को समझे बिना जोखिम भरा स्वीप शॉट खेलने का प्रयास किया।

कुलदीप ने सौद शकील और इफ्तिखार अहमद के महत्वपूर्ण विकेट लिए। इन दोनों ने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर की गेंद पर स्वीप शॉट खेलने के प्रयास में अपने विकेट गंवाए। कुलदीप से पूछा गया कि क्या उन्होंने इफ्तिखार के पांव को निशाना बनाकर गेंदबाजी करने की रणनीति बनाई थी तो उन्होंने इसका दिलचस्प जवाब दिया। कुलदीप ने भारत की सात विकेट से जीत के बाद संवाददाताओं से कहा,''नहीं मैंने ऐसी योजना नहीं बनाई थी लेकिन मैं गुगली कर रहा था तो मैंने ऐसा प्रयास किया। वह थोड़ा शॉर्ट पिच गेंद थी जो बाहर जा रही थी और इस गेंद पर उसके लिए स्वीप करना मुश्किल था।'' इफ्तिखार ने ऑफ स्टंप से बाहर जा रही गेंद को स्वीप करने के प्रयास में अपने विकेटों में खेल दिया था। कुलदीप ने कहा,''यह विकेट मुझे भाग्य से मिला और इस तरह के विकेट से बल्लेबाजों पर दबाव बढ़ता है। वे मेरी गेंद को नहीं समझ पाए और इसको लेकर भ्रम में थे कि वे मेरी गेंद पर स्वीप शॉट लगाएं या सामान्य बल्लेबाजी करें। मैं हालांकि उसे बेहतर तरीके से आउट करना पसंद करता।'' असल में कुलदीप को वह ओवर नहीं करना था और उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा से बात करने के बाद ही यह ओवर किया था।

कुलदीप ने कहा,''मुझे लगा कि वे स्वीप शॉट खेलने का प्रयास करेंगे क्योंकि वे ऐसा करने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पहले कोई जोखिम नहीं उठाया लेकिन जब कप्तान से बात करने के बाद मुझे वह अतिरिक्त ओवर करने को मिला तो मैंने दोनों विकेट उस ओवर में लिए।'' उन्होंने कहा,''निश्चित तौर पर मोहम्मद सिराज ने बाबर आजम को आउट करके पाकिस्तान पर दबाव बनाया। इससे हमें मदद मिली। इसके बाद उस ओवर में मिले दो विकेट से वे आखिर तक नहीं उबर पाए।''

कुलदीप ने कहा कि मोटेरा के विकेट से तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों को खास मदद नहीं मिल रही थी और 270 रन अच्छा लक्ष्य होता। उन्होंने कहा,''हमारी ऐसी कोई योजना नहीं थी कि हमें उन्हें एक निश्चित स्कोर तक रोकना है। हमारी सारी रणनीति पिच की प्रकृति पर निर्भर थी। इस विकेट पर 270 रन का लक्ष्य अच्छा होता।''

'अहमदाबाद में पिच को परखने के पहले के अनुभव से फायदा हुआ'

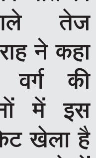

अहमदाबाद/भाषा। पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी विश्व कप मैच में 19 रन देकर दो विकेट लेकर भारत की जीत की पटकथा लिखने वाले तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने कहा कि उन्होंने आयु वर्ग की प्रतियोगिता के दिनों में इस मैदान पर काफी क्रिकेट खेला है जिससे इस पिच को समझने में आसानी हुई।

मैन ऑफ द मैच बुमराह की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने बल्लेबाजी के लिए आसान पिच पर पाकिस्तान की पारी को 191 रन पर समेट दी। कप्तान रोहित शर्मा की 86 रन की विस्फोटक पारी के दम पर भारत ने 117 गेंद शेष रहते तीन विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत के हाथों पाकिस्तान की करारी हार दुखद और पीड़ादायक: रमीज राजा

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान रमीज राजा ने वनडे विश्व कप में भारत के खिलाफ खराब प्रदर्शन के लिए पाकिस्तानी टीम की कड़ी आलोचना करते हुए इस हार को दुखद और पीड़ादायक करार दिया। भारत ने शनिवार को अहमदाबाद में खेले गए मैच में पाकिस्तान को 191 रन पर आउट कर दिया था तथा इसके बाद कप्तान रोहित शर्मा की शानदार पारी से लगभग 20 ओवर शेष रहते हुए सात विकेट से जीत हासिल की।

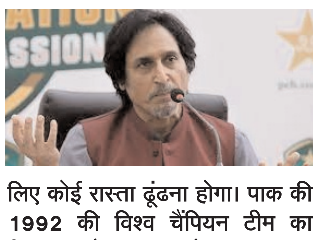

राजा ने आईसीसी रिव्यू पॉडकास्ट में कहा,''इस हार से वे बेहद दुखी होंगे। यह भयावह है। यह पीड़ादायक है। यह करारी हार है। वे खेल के तीनों विभागों में चित कर दिए गए। अगर आप जीत नहीं सकते तो कम से कम चुनौती तो पेश करो। पाकिस्तान ऐसा करने में सक्षम नहीं था।'' पाकिस्तान की भारत के हाथों वनडे विश्व कप में यह लगातार आठवीं हार थी। राजा ने कहा कि पाकिस्तान को लंबे समय से चले आ रहे इस अवांछित क्रम को समाप्त करने के लिए कोई रास्ता ढूंढना होगा। पाक की 1992 की विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा रहे राजा ने कहा,''यह वास्तविकता है और पाकिस्तान को इसको लेकर कुछ करना होगा। उन्हें भारत के खिलाफ चोकर्स (दबाव में बिखरने वाले) तो नहीं कहा जा सकता है। यह एक तरह का मानसिक अवरोध है। यह कौशल से जुड़ा अवरोध भी है।'' उन्होंने कहा,''जब आप भारत के खिलाफ खेल रहे हो और माहौल ऐसा हो कि 99 प्रतिशत दर्शक भारत का समर्थन कर रहे हों तो आप इससे प्रभावित हो सकते हो। मैं इस बात को समझता हूं। लेकिन बाबर आजम पिछले चार-पांच वर्षों से इस टीम की अगुवाई कर रहे हैं, इसलिए आपको ऐसे मौकों पर खरा उतरना चाहिए।''

सुविचार

**जिंदगी एक बार मिलती है गलत है,
सिर्फ मौत एक बार मिलती है,
जिंदगी हर रोज मिलती है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

असत्य सूचनाओं के खतरे

केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने ऑनलाइन मंचों पर प्रसारित असत्य सूचनाओं के खतरों का उल्लेख कर जिन समस्याओं की ओर ध्यान दिलाया है, उनके समाधान की दिशा में ठोस प्रयास करने की जरूरत है। निस्संदेह भारत के शत्रु हमेशा हर उस मौके को लपकने की फिराक में रहते हैं, जिससे यहां अशांति उत्पन्न की जा सके। कई बार तो तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश किया जाता है। जब तक उसका स्पष्टीकरण सामने आता है, नुकसान हो जाता है। चीनी और पाकिस्तानी एजेंसियों की भारतीय सोशल मीडिया यूजर्स पर नजर रहती है। लोग क्या पोस्ट करते हैं, कैसी टिप्पणियां करते हैं, क्या शेयर करते हैं ... इन सब बातों का वहां विश्लेषण किया जाता है। उसके बाद षड्यंत्र रचे जाते हैं, ताकि यहां शांति भंग की जा सके। भारत के बारे में विदेशों में सोशल मीडिया पर ये झूठ खूब फैलाए जाते हैं- कश्मीर में हमेशा कर्फ्यू लगा रहता है ... भारत में शौचालय नहीं हैं ... भारत में एक ही समुदाय को उच्च पदों व नौकरियों में मौका दिया जाता है, उसके अलावा सब उपेक्षित हैं ... भारत विज्ञान के क्षेत्र में बहुत पिछड़ा हुआ है और यहां गली-गली में हाथी घूमते हैं! आश्चर्य होता है कि लोग इन बातों पर विश्वास भी कर रहे हैं। जबकि वास्तविकता यह है कि आज कश्मीर में कर्फ्यू जैसी कोई स्थिति नहीं है ... घर-घर में शौचालय बन चुके हैं, कई घरों में तो एक से ज़्यादा हैं ... हर समुदाय के लोग उच्च पदों तक पहुंचे हैं ... कई देशों में जितनी आबादी नहीं है, उससे ज्यादा हमारे पास वाहन हैं ... भारतीय वैज्ञानिकों ने जो कोरोनारोधी वैक्सीन बनाई, उसने दुनिया में करोड़ों लोगों की जान बचाई है। मिशन चंद्रयान-3 में भारत की कामयाबी सब देख चुके हैं। भविष्य में ऐसे और मिशन लॉन्च किए जाएंगे, जो ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में नए कीर्तिमान रचेंगे। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और भारतवासी अपनी सरकार ईवीएम का बटन दबाकर चुनते हैं। आज कितने देशों के पास ऐसी टेक्नोलॉजी है?

सोशल मीडिया से जुड़ी सबसे बड़ी समस्या यह है कि इस पर ग़लत जानकारी भी ख़ूब प्रसारित हो जाती है। सरहद पार बैठे शत्रु देशों के एजेंट इसके जरिए दंगे-फसाद भड़का सकते हैं और वे कानून की पकड़ से भी दूर रहते हैं। पिछले दिनों हरियाणा की घटना को केंद्र में रखकर एक व्यक्ति भड़काऊ वीडियो पोस्ट कर रहा था। उसे सुनकर यही लगता था कि वह स्थानीय निवासी है। पहनावा, बोली, लहजा ... सबकुछ वैसा ही, जैसा उस क्षेत्र के लोगों का होता है। बाद में पता चला कि वह पाकिस्तानी था और वहीं से वीडियो बनाकर यहां अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा था। उसके पूर्वज वर्ष 1947 में बंटवारे के समय हरियाणा से पाकिस्तान चले गए थे। इसलिए उसे पहनावे, बोली और लहजे को लेकर कोई समस्या नहीं हुई। इसी तरह, जब फरवरी 2019 में पाकिस्तान ने भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर अभिनंदन को हिरासत में ले लिया था और दोनों देशों के बीच तनाव काफी बढ़ गया था, तब वॉट्सऐप समूहों में एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें एक व्यक्ति पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के साथ हंसी-खुशी के माहौल में नृत्य करता नजर आ रहा था। उसकी शक्ल अभिनंदन से बहुत मिलती थी। वीडियो के जरिए यह भ्रम फैलाने की कोशिश की गई कि पाकिस्तान आतंकवादी नहीं, बल्कि बहुत दयालु और अतिथि-सत्कार करने वाला देश है, जिसके फौजी बड़े मिलनसार हैं, लिहाजा वहां कोई टकराव नहीं चाहता! ऐसे वीडियो का उद्देश्य भारत में भ्रम फैलाना, भारतवासियों में विभाजन पैदा करना, भारत सरकार को कड़ी कार्रवाई का फैसला लेने से रोकना था। चूंकि आम जनता को तकनीकी चीजों के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं होती है। उसे सोशल मीडिया पर जो मिलता है, उस पर जल्द भरोसा कर लेती है। ऐसे में शत्रु देशों का काम काफी आसान हो जाता है। एजेंसियों को चाहिए कि वे सोशल मीडिया पर कड़ी नज़र रखें। निस्संदेह जनता को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होनी चाहिए, लेकिन किसी को भी इस बात की छूट न दी जाए कि वह जाने-अनजाने में शत्रु एजेंसियों का मोहरा बनकर यहां अशांति की वजह बने।

ट्वीटर टॉक

आज नवरात्रि की घट स्थापना के शुभ अवसर पर बांसवाड़ा स्थित शक्तिपीठ मां त्रिपुरा सुंदरी के मंदिर पहुंचकर मातारानी के दर्शन किए तथा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की। इस दौरान मंदिर के पुजारियों एवं संतों का आशीर्वाद लिया तथा देश-प्रदेश की समृद्धि की कामना की।

-वसुंधरा राजे

भारत के पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न, श्रद्धेय डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें मनोभावों से भरे श्रद्धा सुमन! एक महान वैज्ञानिक होने के साथ, वे लाइफ मैनेजमेंट के गुरु भी थे। उन का दृढ़ विश्वास था कि आपदा में अवसर तलाश कर हम साधारण से असाधारण बन सकते हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के अवसर पर विद्याधर नगर के तत्वावधान में अग्रसेन सर्किल तथा अग्रवाल समाज समिति के तत्वावधान में मुरलीपुरा क्षेत्र में हुए अग्रसेन जयंती महोत्सव कार्यक्रम में अग्रसेन महाराज जी की आरती का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

-दिया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

दायित्व की परीक्षा

एक बार गुरु नानक अपने शिष्यों के साथ बैठे हुए थे। उनका पुत्र भी वहीं बैठा हुआ था। उसने हाथ जोड़ कर कहा, 'पिता जी अपनी गद्दी का मालिक मुझे बनाइयेगा।' उसकी बातों को सुनकर नानक जी चुप हो गये। जाड़े के दिन थे। नानक जी भक्तों के साथ प्रात:काल वायु सेवन करने के लिए निकले थे। सामने एक लकड़हारा सिर पर भारी बोझ लादे चला आ रहा था। सर्दी से उसके पैर ठिठुर रहे थे। बदन पर ठीक से कपड़ा भी नहीं था। लगता था कि वो अभी गिर जायेगा। गुरु नानक को दया आई और वे अपने पुत्र से बोले, 'बेटा इस बेचारे लकड़हारे के बोझ को उठाकर घर तक पहुंचा दो।' पुत्र संकोच में पड़ गया और धीरे से बोला, 'पिताजी! आपके साथ इतने लोग हैं, किसी से कह दीजिए। मैं बोझ को न उठा पाऊंगा।' गुरु नानक जी ने अपने एक शिष्य से कहा, 'बेटा तुम इसके बोझ को घर तक पहुंचा दो।' आज्ञा पाते ही वह शिष्य खुशी-खुशी लकड़हारे के बोझ को लेकर उसके घर की ओर चला गया। नानक जी ने अपने पुत्र की तरफ देखते हुए कहा, 'बेटा! जो दूसरों के बोझ को अपने ऊपर खुशी-खुशी उठा लेते हैं, वही इस गद्दी के मालिक हुआ करते हैं।'

सामयिक

नवरात्रि : नौ शक्तियों का मिलन पर्व

योगेश कुमार गोयल
मोबाइल : 9416740584

नौ दिनों तक चलने वाले नवरात्रि पर्व की शुरूआत हो चुकी है। आदि शक्ति दुर्गा की पूजा के इस पावन पर्व का विशेष महत्व माना जाता है। नवरात्रि के ये नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। शारदीय नवरात्रि की शुरूआत इस वर्ष 15 अक्तूबर से हुई है, जिनका समापन 23 अक्तूबर को होगा। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। ब्रह्मचारिणी' अर्थात तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्ज्वल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष,

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं।

बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें शुभंकारी' भी कहा जाता है। कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्ज्वल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

विशेष

शक्ति की विजय का महापर्व नवरात्रि

हर्षवर्धन पाण्डे

कोई भी पर्व हो उसके पीछे मकसद होता है सुख, शांति और समृद्धि के साथ परमानन्द की प्राप्ति। नवरात्र में की गई पूजा मानव मन की मलिनता को दूर करके भगवती दुर्गा के चरणों में लीन होकर जीवन में सुख, शांति और ऐश्वर्य की समृद्धि लाती है।

एक ही परम तत्व परमपुरुष पराशक्ति के रूप में सर्वत्र व्यापक है। श्रुतियों, शास्त्रकारों ने एक ही चिरंतन शक्ति को कभी पुरुष के रूप में तो कभी देवी के रूप में स्वीकारा है। सब के घट में एक समान विराजमान वह दिव्य शक्ति जो प्रकाश के रूप में हमेशा मौजूद रहती है जिसे 'जीवन शक्ति' कहा जाता है और उसका दर्शन होना ही 'शक्ति ' की आराधना है। दुष्टों का संहार करके भक्तों की रक्षा करने हेतु कभी काली तो कभी दुर्गा या फिर राम और कृष्ण के रूप में उस शक्ति का अवतरण इस धरा पर हुआ है। मां अम्बे की पूजा - अर्चना का विधान वेद, पुराण, उपनिषदों हिन्दुओं के अन्य धर्मशास्त्रों में भी मिलता है। वेदों में कहा गया है, ब्रह्म एक था, उसमें इच्छा हुई, एक से अनेक होने की, और इस सृष्टि का निर्माण हुआ लेकिन अनेक होने के बाद भी उसके एकत्व में कोई अंतर नहीं पड़ा। जैसे कोई बीज एक होता है, किंतु समय पाकर एक से अनेक हो जाता है। पहले अंकुर फूटता है। फिर तना, डालियाँ, पत्ते, फूल, फल और अंत में बीज रूप में वह अनेक हो जाता है। हर बीज उस पूर्व बीज के ही समान है। उसमें भी अनेक होने की पूरी सम्भावनाएं हैं। जैसे अंकुर, तना, या डालियाँ, फूल आदि सभी उस बीज में से ही निकले हैं, पर वे बीज नहीं हैं। इसी प्रकार ब्रह्म से ही जड़ जगत, वृक्ष, पशु, पंछी आदि हुए हैं पर वे ब्रह्म के एकत्व का अनुभव नहीं कर सकते। केवल मानव को ही यह सामर्थ्य है कि वह फूल की तरह खिले, फिर उसमें भक्ति व ज्ञान के फल लगें और उसके भीतर ब्रह्म रूपी बीज का निर्माण हो सके। वेद में 'एकोएहं बहुस्याम' और 'अजाय मानों बहुधा ब्यजायत' के रूप में और देवी पुराण में 'सा वाणी साच सावित्री विप्राधिष्ठात ' वहां सर्व दुर्गा के रूप में संस्थापित है। मार्कण्डेय पुराण में स्वयं मान जएकैवाहं जगत्यत्र द्वितीया का ममापरा। पश्यैता दुष्ट मय्येव विशन्त्यो मद्विभूतयः अर्थात मैं ही दुर्गा हूँ, सर्व शक्ति स्वरूपा हूँ और मुझमें ही पूरी सृष्टि विलीन है। आशय यह है कि यह विशाल सृष्टि उत्पन्न होती है, बढ़ती है, विभिन्न रूपों में परिवर्तित होती है और अंत में विनिष्ट हो जाती है।

देवी पुराण में एक बड़े रोचक कथा प्रसंग की चर्चा की गयी है। अक्सर भ्रम में पड़ जाने वाले देवर्षि नारद को एक बार भ्रम हो गया। ब्रह्मा, विष्णु और महेश तीनों सर्वश्रेष्ठ हैं तो भला ये तीनों किस महाशक्ति का स्मरण करते हैं ? नारद जी अपने सन्देश निवारण हेतु शिव के पास गए और बोले 'मुझे ब्रह्मा, विष्णु और महेश से बढ़कर कोई अन्य देवता नहीं दिखाई देता है फिर आप तीनों से ऊंचा कौन है जिसकी उपासना और स्मरण आप करते हैं'? शिव मुस्कुराये और बोले 'हे ऋषिवर' सूक्ष्म और शूल शरीर से परे जो महाप्राण आदिशक्ति (जगदम्बा) है वही तो परब्रह्म स्वरुप है - वह केवल अपनी इच्छा मात्र से ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार करने में समर्थ है। वस्तुतः वह आदिशक्ति (दुर्गा) निर्गुण स्वरूप है परन्तु उसे किसी भी रूप मे मन समय -समय पर धर्म की रक्षा और दुष्टों के विनाश के लिए साकार होना पड़ता है। इसी समय-समय पर,पार्वती दुर्गा, काली, चंडी, सरस्वती आदि अवतार धारण किये हैं। इसी जगत जननी का सभी देव स्मरण करते हैं। वैसे भी आदिशक्ति स्वरुप दुर्गा में सभी देवताओं का कुछ न कुछ अंश शामिल है। दुर्गाशप्तशती के दूसरे अध्याय में देवी स्वरुप का वर्णन करते हुए बतलाया गया है। भगवान शंकर के तेज से उस देवी का मुख प्रकट हुआ। यमराज के तेज से मस्तक के केश, विष्णु के तेज से भुजाएं, चन्द्रमा के तेज से स्तन, इंद्रा के तेज से कमर, वरुण के तेज से जंघा, पृथ्वी के तेज से नितम्ब, ब्रह्म के तेज से चरण, सूर्य के तेज से दोनों पैरों की अंगुलियां, वसुओं के तेज से दोनों हाथों की अंगुलियां, प्रजापति के तेज से सम्पूर्ण दांत, अग्नि के तेज से दोनों नेत्र, संध्या के तेज से भौहें, वायु के तेज से कान, अन्य देवताओं के तेज से देवी के भीं- भीं अंग बने। इसी प्रकार सभी अमोघ शक्तियों से दुर्गा के रूप में एक आदिशक्ति का सृजन किया गया इसलिए यह स्वरुप सभी देवताओं के लिए स्मरणीय हो गया।

जो विद्वानों के के लिए स्मरणीय हो वह लोगों के लिए विस्मरणीय भला कैसे हो सकता है। परिणामतः कलियुग में भी आज दो नवरात्रि के रूप में माँ जगदम्बा की पूजा जारी है। शारदीय और वासंतीक नवरात्र। शारदीय नवरात्र आश्विन मास में और वासंतिक नवरात्र चैत्र माह में होते हैं। यूँ तो चैत्र वर्ष प्रतिपदा से हिन्दुओं का नया संवत्सर शुरु होता है लेकिन दोनों नवरात्र का हमारी सनातन संस्कृति में समान महत्व है। शारदीय और वासंतीक नवरात्र दोनों में नौ दिन और नौ रातों तक मान जगदम्बे भगवती के नौ अलग-अलग रूपों की पूजा की जाती है। यह आज तक रहस्य बना हुआ है कि दुर्गा की पूजा सबसे पहले राम ने की या किसी और ने, लेकिन इतना तय है लंका पर चढ़ाई और रावण वध से पहले राम ने आदिशक्ति स्वरुप मानकर दुर्गा जी की पूजा की। यह स्थान भी रामेश्वरम के नाम से जाना जाता है। नवरात्र महोत्सव आसुरी शक्ति पर दैवीय शक्ति की विजय का प्रतीक है। नवरात्र में प्रथमा से लेकर नवमी तक शक्ति के 9 स्वरुपों की पूजा -अर्चना होती है। ये नौ शक्तियां बहनों का स्वरुप हैं और इन नौ शक्तियों के विभिन्न नाम रूप के कारण 'शारदीय नवरात्र' उत्सव का उल्लास देखते ही बनता है। नवरात्र की पूरे देश में विशेष धूम रहती है। इन 9 दिनों में लोगों की भक्ति भावना, आस्था और शक्ति देखते ही बनती है। दर्जा माता की नौ शक्तियों के नाम हैं, शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघटा, कुष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धदात्री। नवरात्र में अंतिम दिन पर कन्या पूजा का विशेष महत्व है। नौ कुमारी कन्याओं को देवी स्वरुप मानकर लोग उनका विशेष पूजन भोजन, वस्त्रादि, उपहार देकर करते हैं।

कन्या पूजन में दो वर्ष से लेकर 10 वर्ष तक की कन्याओं को पूजा जाता है। दस वर्ष से अधिक वर्ष की कन्याओं का पूजन वर्जित। दो वर्ष की कन्या 'कन्याकुमारी', तीन वर्ष की 'त्रिमूर्तिनी', चार वर्ष की 'कल्याणी', पांच वर्ष की 'रोहिणी', छह वर्ष की 'काली', सात वर्ष की 'चंडिका', आठ वर्ष की ' शम्भवी', नौ वर्ष की 'दुर्गा' और दस वर्ष की 'सुभद्रा' स्वरुपा मानी गयी है। इस साल नौ शुभ योग में नवरात्रि शुरु हो रही है। ऐसी स्थिति पिछले 400 सालों में कभी नहीं बनी। इस बार नवरात्रि का हर दिन शुभ रहेगा। 15 अक्टूबर से शुरु होने वाली नवरात्रि अखंड रहेगी। अंग्रेजी-तारीख और तिथियों का ठीक तालमेल होने से एक भी तिथि कम नहीं होगी। इस तरह पूरे नौ दिनों का शक्ति पर्व होना बहुत ही शुभ संयोग है। इस बार नवरात्र ख़ास रहेगी क्योंकि मातारानी हाथी पर सवार होकर आएंगी। हाथी का संबंध विघ्नहर्ता गजानन गणेश जी महाराज और देवी महालक्ष्मी से भी है। इस कारण इन दिनों होने वाले कार्य फायदा देने वाला रहेंगे। इस तरह देवी का आगमन तमाम कष्टों, विघ्न बाधाओं से मुक्ति का संकेत दे रहा है। हर नवरात्रि में देवी की सवारी बदल जाती है। देवी का वाहन तो शेर ही होता है, लेकिन देवी भागवत और अन्य ग्रंथों के मुताबिक हर नवरात्रि में देवी की सवारी अलग-अलग होती है। देवी की सवारी नवरात्रि के पहले दिन से तय होती है। इस बार सोमवार को नवरात्रि शुरू होने पर देवी हाथी पर सवार होकर आएंगी, जो कि सुख-समृद्धि का संकेत है। वहीं, 23 अक्टूबर सोमवार नवरात्रि का आखिरी दिन रहेगा। इस दिन सर्वार्थसिद्धि और रवियोग बनने से देवी को विदाई भी शुभ रहेगी। 15 अक्टूबर के ग्रह- नवत्र धर्म, राख, भद्र, पर्वत, शुभकर्तरी, उभयचरी, सुमुख, गजकेसरी और पद्म नाम के योग भी बन रहे है। वहीं इस बार के शक्ति पर्व में पद्म बुधादित्य, प्रीति और आयुष्मान योग के साथ ही सर्वार्थसिद्धि 3 रवियोग और 1 त्रिपुष्कर योग रहेगा। वहीं, दशहरा अपने आप में अबूझ मुहूर्त होता है। इस तरह नवरात्र के आने वाले 9 दिन बहुत ही कल्याणकारी होने जा रहे हैं। पूरे नौ दिन सुख, समृद्धि और उल्लास से भरे रहने वाले हैं ।

कोई भी पर्व हो उसके पीछे मकसद होता है सुख, शांति और समृद्धि के साथ परमानन्द की प्राप्ति। नवरात्र में की गई पूजा मानव मन की मलिनता को दूर करके भगवती दुर्गा के चरणों में लीन होकर जीवन में सुख, शांति और ऐश्वर्य की समृद्धि लाती है। यज्ञ-हवन का हमारी सनातन परम्परा में बड़ा ही महत्व रहा है। इससे अनेक व्याधियों से मुक्ति होने की वैज्ञानिक पुष्टि भी होती है। शक्ति स्वरूपा नवदुर्गा का दर्शन करना मानव जीवन का लक्ष्य होना चाहिए है और इस लक्ष्य की प्राप्ति हेतु इन नवरात्रों में पूजन अर्चन कर विशेष प्रयास करना चाहिए। नवरात्र अर्थात शक्ति की आराधना का महापर्व है और इसे सपरिवार मनाना चाहिए जिससे सुख शांति, अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष का पुरुषार्थ भी सफल हो।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कलश पूजा

पटना में रविवार को नवरात्रि उत्सव के पहले दिन श्रद्धालुओं ने कलश की पूजा करते हुए।

फलस्तीनियों की चिंता करने वाले अपने घर के बगल हो रही गलतियों पर ध्यान दें : तस्लीमा

कोलकाता/भाषा

जिंदगी भर बगावती तेवर अपनाने वाली बांग्लादेशी कवयित्री तस्लीमा नसरीन का मानना है कि उनके जिन देशवासियों को फलस्तीनियों के खिलाफ अत्याचार की चिंता है उन्हें अपने ही देश में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा की उतनी ही फिक्र करनी चाहिए।

तस्लीमा नसरीन के अंदर विद्रोह की चिंगारी अब भी खत्म नहीं हुई है और उनका दृढ़ मत है कि जब और जहां कहीं भी उन्हें नाइंसाफी नजर आयेगी, उसके खिलाफ 'संघर्ष करते रहना' ही उनका कर्तव्य है। विद्रोह की इस चिंगारी की वजह से उन्होंने परंपराओं को चुनौती दी और अपने समाज के पाखंड और 'स्त्रीद्वेष' को सामने लाने के लिए लेखनी उठाई। उन्होंने रविवार को कहा, '' मैं सुनती हूं कि मेरे साथी बांग्लादेशी नागरिक फलस्तीनियों पर अत्याचार से कुपित हैं और उनमें से कुछ तो उनकी मदद के लिए फलस्तीन जाना भी चाहते हैं। इजराइलियों और फलस्तीनियों समेत दुनिया में कहीं भी किसी पर अत्याचार की मैं व्यक्तिगत रूप से निंदा करती हूं।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं कहना चाहूंगी कि यदि मेरे देशवासी फलस्तीन में अत्याचार और हमलों के फलस्वरूप आई शरणार्थियों की बाढ़ से इतने चिंतित हैं , तो, जब आज भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमला किया जाता है और उनमें से कई अपनी जमीन छोड़कर अन्यत्र शरणार्थी बनने के लिए बाध्य किये जाते हैं, तब भी उनकी अन्तश्चेतना आहत होनी चाहिए।''

पिछले महीने अल्पसंख्यक समुदाय के करीब 80 साल के एक कवि के साथ मारपीट की गई थी जो बांग्लादेश में ऐसे हमलों की लंबी श्रृंखला में एक कड़ी थी। अगस्त, 2023 में 'शृष्टि ओ चेतना' नामक एक संगठन की मानवाधिकार रिपोर्ट के अनुसार 'मंदिरों और अन्य समुदायों की संपत्तियों पर हमले', या सामान्य अल्पसंख्यक विरोधी अपशब्द, 'देश से निकाल देने या उत्पीड़न ' की धमकी ऐसी घटनाएं थीं जो सामने आई थीं। प्रख्यात कवयित्री ने कहा, '' मेरी मातृभूमि में शानदार आर्थिक विकास नजर आने के बावजूद बांग्लादेश में कट्टरपंथ सिर उठाता हुआ दिख रहा है । लैंगिक असंतुलन लगातार एक कारक बना हुआ है ।

निर्यात पर प्रतिबंध के बाद भारत-नेपाल सीमा पर तेजी से बढ़ी चावल की तस्करी

महराजगंज/भाषा

भारत-नेपाल सीमा पर स्थित गांवों और कस्बों में हर दिन सुबह होते ही कई ठिकाने निकटवर्ती नेपाल में चावल की तस्करी के अड्डे बन जाते हैं। बेरोजगार युवाओं से लेकर महिलाएं व बुजुर्ग तक, 10 से 100 किलोग्राम चावल से भरे छोटे-बड़े बैग लेकर सीमा पार करते हैं। यह सिलसिला दिन भर जारी रहता है।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि चावल की तस्करी में शामिल ग्रामीण नेपाल में अनाज ले जाने के लिए साइकिल या मोटरसाइकिल जैसे छोटे वाहनों का इस्तेमाल करते हैं और यहां तक कि पैदल भी चलते हैं। बेरोजगार युवा, महिलाएं और कभी-कभी बुजुर्ग भी स्थानीय तस्करों के लिए वाहक के रूप में काम करते हैं। नेपाली व्यापारियों द्वारा सीमा पार स्थापित गोदामों में एक क्विंटल चावल पहुंचाने के लिए उन्हें 300 रुपये तक का भुगतान किया जाता है। उनमें से अधिकांश जितना संभव हो, उतना पैसा कमाने के लिए कई चक्कर लगाते हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि लक्ष्मीनगर, ठूठीबारी, निचलौल, परसा मलिक, बरगदवा, भगवानपुर, श्याम कट, फरेनिया, हरदी डाली और खनुवा कुछ ऐसे गांव हैं, जहां से नेपाल जाना बहुत आसान है और इसलिए ये चावल की तस्करी के लिए उपयुक्त हैं।

उत्तर प्रदेश का महाराजगंज जिला नेपाल के लुंबिनी प्रांत के नवलपरासी और रूपंदेही जिलों के साथ 84 किलोमीटर लंबी खुली सीमा साझा करता है। चावल ढोने वाले राम प्रसाद ने कहा, नेपाली व्यापारियों ने सीमा पर छोटे-छोटे गोदाम बनाए हैं, जहां हम तस्करी का चावल पहुंचाते हैं। गोदामों को हर हफ्ते खाली कर दिया जाता है और वहां इकट्ठा चावल को एक बड़े गोदाम में ले जाया जाता है। राम प्रसाद के अनुसार, वाहक अधिकांश काम सुबह होते ही करते हैं। चावल पहुंचाने के लिए वे अपने घरों से एक किलोमीटर तक की यात्रा करते हैं। वे 10 किलो या उससे अधिक वजन वाले चावल के बैग ले जाते हैं। गतिविधि में दूसरा उछाल दोपहर के भोजन के बाद आता है, जब अधिकांश स्थानीय लोग घर के अंदर होते हैं और दोपहर की शांति का आनंद लेते हैं। उन्होंने बताया, कुछ वाहक शाम को सूरज ढलने के बाद भी चावल की बोरियां ले जाते हैं। वे रात में शायद ही कभी चलते हैं, क्योंकि उस समय पकड़े जाने का जोखिम सबसे अधिक होता है। अधिकारियों के मुताबिक, पिछले चार महीनों में सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और पुलिस ने नेपाल में तस्करी कर ले जाया जा रहा 111.2 टन से अधिक चावल जब्त किया है।

उन्होंने बताया कि चावल की तस्करी में शामिल अधिकतर लोग बेरोजगार हैं और वे स्थानीय तस्करों से चावल लेकर नेपाल जाते हैं। पुलिस सूत्रों ने कहा कि चावल की तस्करी रोकने के लिए अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों के बावजूद, लाभ का बड़ा अंतर अवैध गतिविधि को बढ़ावा दे रहा है।

पूजा

श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधिकारी और सदस्य रविवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में नवरात्रि के अवसर पर विशेष पूजा अर्चना करते हुए।

पंजाब की पांच 'संघा बहनों' के प्रयासों से नवां पिंड सरदारां सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव से सम्मानित

गुरदासपुर (पंजाब)/भाषा

अपनी-अपनी पेशेवर जिंदगी में व्यस्त पांच बहनों ने यहां नवां पिंड सरदारां गांव में अपने दो पैतृक आवास के संरक्षण का बीड़ा उठाया और उनकी मेहनत रंग लाई तथा केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय ने उनके गांव को हाल में 2023 के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव के सम्मान से नवाजा। 'संघा बहनों' के नाम से मशहूर इन महिलाओं ने अपने दो पैतृक आवास - 'कोठी' और 'पीपल हवेली' के संरक्षण में जी-जान लगा दी। अधिकारियों ने बताया कि गुरदासपुर में नवां पिंड सरदारां गांव को पंजाब की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और प्रचार तथा पर्यटन के जरिए सतत विकास के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया।

देश के 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के कुल 750 गांवों ने इस पुरस्कार के लिए आवेदन किया था और इनमें से 35 चयनित गांवों में नवां पिंड सरदारां को भी चुना गया। अधिकारियों ने बताया कि 'कोठी' और 'पीपल हवेली' करीब 140 साल पहले निर्मित की गई और कुछ साल पहले उसकी मरम्मत कराई गई और उसे 'होमस्टे' में तब्दील कर दिया जहां घरेलू और विदेशी पर्यटक आकर ठहरते हैं। इन इमारतों की देखभाल कर रही पांच बहनों के नाम गुरसिमरन कौर संघा, गुरमीत राय संघा, मनप्रीत कौर संघा, गीता संघा और नूर संघा हैं।

उनकी मां सतवंत कौर संघा ने कहा, ''हम यह पुरस्कार पाकर बहुत खुश हैं।'' नवां पिंड सरदारां को 19वीं सदी के अंत में नरैन सिंह ने बसाया था। उन्होंने वहां रहने, कृषि उपज, खेती उपकरणों का भंडार करने तथा खेतों में काम करने वाले कर्मचारियों से बातचीत करने के लिए एक 'हवेली' बनवाई। 1886 में उनके बेटे बेअंत सिंह ने एक मकान बनाया जिसे अब 'कोठी' कहा जाता है।

गुरसिमरन संघा ने कहा, ''हम अपने गांव से भावनात्मक रूप से जुड़े हुए हैं।'' उनकी मां सतवंत कौर संघा ने कहा कि वह 1982 में अपने पति कैप्टन गुरप्रीत सिंह संघा के निधन के बाद गुरदासपुर में इस गांव में रहने आ गई थीं। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी गुरमीत राय ने करीब 15 साल पहले इस पैतृक आवास की कायाकल्प का सुझाव दिया और इस तरह यह सफर शुरू हुआ। गुरमीत जानी-मानी संरक्षण वास्तुकार हैं। संघा परिवार गुरदासपुर जिला प्रशासन के सहयोग से न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दे रहा है बल्कि उसने स्थानीय समुदाय को भी इसमें शामिल किया है और उन्हें रोजगार के अवसर मुहैया करा रहा है।

गीता संघा शिल्प उत्पादों के लिए गांव में महिला स्वयं-सहायता समूहों के साथ काम करती हैं। गुरमीत ने कहा कि शिल्प उत्पादों के लिए 'बारी कलेक्टिव' नामक ब्रांड बनाया गया है।

शादी के बाद पहली बार रैंप वॉक करती नजर आई परिणीति चोपड़ा चड्ढा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की नई दुल्हन यानी परिणीति चोपड़ा शादी के बाद पहली बार साड़ी में रैंप वॉक करती नजर आईं। परिणीति फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) एक्स लैक्मे फैशन वीक में फैबियाना के लिए शोस्टॉपर बनीं। इस दौरान नई नवेली दुल्हनियां हाथों में चूड़ा और मांग में लाल सिंदूर लगाए नजर आईं। शादी के बाद पहली बार था जब शादी के बाद वह किसी फैशन इवेंट में नजर आईं।

परिणीति का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। परिणीति चोपड़ा ने 24 सितंबर को उदयपुर में 'आप' सांसद राघव चड्ढा से शादी की। परिणीति अभी नई-नई दुल्हनियां हैं, इसलिए सोशल मीडिया पर उनकी शादी से लेकर नए घर में हुई जबरदस्त एंट्री की वीडियोज और तस्वीरें खूब वायरल हो रही हैं। मिसेज परिणीति बनने के बाद वह पहली बार रैंप वॉक के लिए उतरी, लेकिन सोशल मीडिया पर उनके इस अंदाज को लोगों ने पसंद नहीं किया।

रैंप वॉक के लिए परिणीति पर्ल आइवरी साड़ी, चूड़ा और सिन्दूर से सजी-धजी बेहद शाही लग रही थीं। लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स को उनका ये लुक बिलकुल भी पसंद नहीं आया। साड़ी के साथ गले में चमचमाता हार, मांग में सिंदूर, हाथों में गुलाबी चूड़ा पहना था। सोशल मीडिया पर लोगों ने उनके लुक को देखा तो कहा कि उनसे दुल्हन वाली फीलिंग नहीं आ रही है। कुछ ने कहा 'चलों शुक्र है कि सिंदूर तो लगाया'। एक यूजर ने लिखा- 'ये मोटी कितनी हो गई है'। वहीं, कुछ यूजर्स ऐसे भी थे, जिनको उनका अंदाज भा गया। एक यूजर ने लिखा- 'शादी के बाद परिणीति बहुत खुश दिख रही है', तो एक अन्य यूजर ने लिखा है, 'लुकिंग स्टनिंग'।

लैक्मे फैशन वीक की प्रेस कॉन्फ्रेंस में साड़ियों के प्रति अपने प्यार के बारे में बात करते हुए चोपड़ा ने कहा कि मेरी शादी को अभी केवल 2 हफ्ते ही हुए हैं और मैं घर पर हर दिन साड़ियां ट्राई नहीं कर रही हूं।

मैं हमेशा साड़ियों के साथ बहुत सहज रही हूं। इसे इतनी अच्छी तरह से ड्रेप किया जाता है कि मैं इसे पहनकर योग कर सकती हूं। वर्क फ्रंट की बात करें तो परिणीति की अक्षय कुमार के साथ हाल ही में फिल्म 'मिशन रानीगंज: द ग्रेट भारत रेस्क्यू' में नजर आई थीं, जो 6 अक्टूबर को ही रिलीज हुई है।

रोहित शेट्टी ने 'सिंघम अगेन' में दीपिका पादुकोण का पहला 'लुक' जारी किया

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्देशक रोहित शेट्टी ने अपनी आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' में अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के किरदार का रविवार को पहला 'लुक' जारी किया। अजय देवगन और रणवीर सिंह अभिनीत 'सिंघम अगेन' में पादुकोण पुलिस अधिकारी शक्ति शेट्टी की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग हाल में शुरु हुई है। फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर पादुकोण के किरदार का पहला 'लुक' साझा किया और लिखा, ''हमारे पुलिस जगत की सबसे क्रूर और हिंसक अधिकारी।''

उन्होंने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, नारी सीता का भी रूप है और दुर्गा का भी... हमारे पुलिस जगत की सबसे क्रूर और हिंसक अधिकारी से मिलें... शक्ति शेट्टी... 'माई लेडी सिंघम'... दीपिका पादुकोण।'' पादुकोण हाल में शाहरुख खान अभिनीत एक्शन फिल्म 'जवान' में नजर आई थी। पादुकोण ने भी अपने सोशल मीडिया खाते लिखा, ''पेश है...शक्ति शेट्टी!'' 'सिंघम अगेन' 'सिंघम' श्रृंखला की तीसरी फिल्म है।

लांच

तेलुगु फिल्म अभिनेता निखिल सिद्धार्थ, ईबाइकगो के संस्थापक और सीईओ डॉ. इरफान खान ने रविवार को हैदराबाद में एसर मुवी 125 4जी, ईबाइक लॉन्च करते हुए।

फिल्म 'आसरा' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/वार्ता

निर्माता रत्नाकर कुमार और अभिनेता रितेश पांडेय स्टारर भोजपुरी फिल्म आसरा का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। फिल्म 'आसरा' के फर्स्ट लुक को ब्लैक एंड व्हाइट सेड में कुछ रंगों के साथ पेश किया है। फिल्म के फर्स्ट लुक में अभिनेत्री सपना चौहान किसी बाग में बैठी हुई एक टक किसी चीज को निहारे जा रही हैं, वही पास में बैठे रितेश पांडेय अपने सामने बैठी सपना को देखे जा रहे हैं वे उनकी सुंदरता में इस कदर खोए हुए नजर आ रहे हैं कि मानो उन्हें दुनिया से कोई लेना देना ही नहीं बस अपनी प्रियतम को देखकर ही उन्हें सुकून मिल रहा हैं।

आसरा के फर्स्ट लुक को निर्माता रत्नाकर कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और इसके कैप्शन में लिखा है फर्स्ट लुक आसरा।उन्होंने कहा कि आज शारदीय नवरात्रि के पहला दिन है और आसरा का फर्स्ट लुक आउट करने के लिए इससे बेहद कोई दिन हो ही नहीं सकता है। आज आप सबके बीच फर्स्ट लुक आउट कर दिया गया है। फिल्म बहुत ही सुंदर विषय पर बनाई गई है। जो दर्शकों को बहुत अच्छी सीख देंगी। क्योंकि सिनेमा समाज का दर्पण है इसलिए हम इसे बहुत ही सोच समझ कर बनाना होता है। जल्द ही हम फिल्म का टीजर और ट्रेलर लेकर आएंगे। वर्ल्डवाइड चैनल जितेंद्र गुलाटी प्रस्तुत आसरा के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। वही इसकी सह निर्माता निवेदिता कुमार है। इसके निर्देशक अनंजय रघुराज हैं।फिल्म में मुख्य रूप से रितेश पांडेय, सपना चौहान, नेहा पाठक, अवधेश मिश्रा और मनोज टाइगर नजर आएंगे।

सनी देओल ने साइन की 'बॉर्डर-2'

मुंबई/एजेन्सी

दर्शकों के लिए कभी बीते जमाने के सितारे हो चुके सनी देओल को लेकर अनिल शर्मा ने अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म गदर: एक प्रेमकथा का दूसरा भाग बनाया। जिन दिनों उन्होंने इस फिल्म की घोषणा गदर की ही स्टारकास्ट के साथ की, लोगों ने उन्हें कहा कि वे अपने करोड़ों रुपयों को बरबाद करने जा रहे हैं। लेकिन गदर-2 की कथा को लेकर अनिल शर्मा पूरी तरह आश्वस्त थे। उन्हें इस बात का अहसास था कि फिल्म असफल तो नहीं होगी, लेकिन यह अहसास नहीं था कि प्रदर्शन के बाद गदर-2 बॉक्स ऑफिस पर इतना गदर मचाएगी। लंबे समय बाद उनके खाते में इतनी बड़ी हिट आई कि पूरा बॉक्स ऑफिस हिल गया। फिल्म ने 524 करोड़ का कलेक्शन किया और यह इस साल 'जवान' के बाद दूसरे नंबर की सबसे बड़ी फिल्म है। फिलहाल सनी देओल कई दूसरे प्रोजेक्ट को साइन करने में जुट गए हैं। इनमें बहुप्रतीक्षित 'बॉर्डर 2' भी है। काफी समय से फिल्म को लेकर चर्चा हो रही है। निर्माता इस को कई साल पहले ही इसे बनाना चाह रहे थे लेकिन सनी देओल की लगातार असफलता के चलते उन्होंने रिस्क नहीं लिया। लेकिन अब गदर-2 की सफलता के बाद वे भी अपनी फिल्म बॉर्डर-2 के लिए तैयार हो गए हैं। बताया जा रहा है कि सनी देओल इस फिल्म के लिए बड़ी डील साइन करने के साथ ही मुनाफे में भी अपनी हिस्सेदारी रखी है। सनी पर मेकर्स का बड़ा दांव

'गदर 2' के बाद सनी की डिमांड बढ़ गई है। बॉलीवुड हंगामा ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्होंने इस वॉर फिल्म के लिए 50 करोड़ चार्ज किए हैं। सूत्र ने कहा, '50 करोड़ के अलावा सनी ने एक और डील भी की है जिसमें निर्मातओं को मुनाफे में से कुछ हिस्सा देना होगा। सनी यह डिजर्व भी करते हैं क्योंकि उनके होने से बॉर्डर 2 अलग लेवल पर जा सकती है। निर्माता सनी के साथ यह डील करके काफी खुश हैं।'

निर्माताओं ने वादा किया है कि यह भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी वॉर फिल्म होगी। फिल्म की शूटिंग अगले साल से शुरू होगी। सनी देओल 2024 के सेकेंड हाफ में शूटिंग करेंगे। उनके अलावा इसमें आयुष्मान खुराना, एमी विर्क और अहान शेट्टी भी होंगे। पहले आयुष्मान की जगह कार्तिक आर्यन का नाम सामने आया था। 'बॉर्डर' 1997 में रिलीज हुई थी। फिल्म का निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था। इसमें सनी देओल के अलावा सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ, अक्षय खन्न, पूजा भट्ट, तब्बू, कुलभूषण खरबंदा और राखी ने मुख्य भूमिका निभाई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर हुई थी।

कंगना ने पाक को दी एक टूक नसीहत

मुंबई/एजेन्सी

क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में बीते दिन भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेला गया। इस मैच को अहमदाबाद में खेला गया, जिसका लुत्फ उठाने के लिए बॉलीवुड के कई सेलेब्स नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पहुंचे थे। ऐसे में इस वर्ल्ड कप में इंडिया ने 7 विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान के हारने के बाद हर कोई भारतीय क्रिकेटर्स के फील्डिंग और बल्लेबाजी की जमकर तारीफ कर रहा है। इसी बीच एक्ट्रेस कंगना रनौत ने भी अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने भारत की जीत पर इंडिया को एक टूक दी है। दरअसल, भारत की जीत और पाकिस्तान की हार पर कंगना रनौत का रिएक्शन इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस का एक वीडियो ट्विटर पर वायरल हो रहा है, जिसे ठब्तझ के ट्विटर अकाउंट से शेयर किया गया है। इसमें देखने के लिए मिल रहा है कि एक्ट्रेस 'तेजस' वाले लुक में नजर आ रही हैं। इसमें उनके साथ श्रीसंत भी दिखाई दे रहे हैं। इसी बीच वो बातचीत के दौरान इंडिया-पाकिस्तान के मैच को लेकर कहती हैं, 'भारत को छेड़ोगे तो छोड़ेंगे नहीं।' इस पर लोगों के खूब रिएक्शन्स देखने के लिए मिल रहे हैं। उनके वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है। 'तेजस' में नजर आएंगी कंगना रनौत इसके अलावा अगर कंगना रनौत के वर्कफ्रंट की बात की जाए तो एक्ट्रेस इन दिनों फिल्म 'तेजस' को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में इसका पहला गाना 'जान दा' रिलीज किया गया है, जिसे इसके ट्रेलर और टीजर की तरह दर्शकों द्वारा खूब प्यार मिला है। इसे 27 अक्टूबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। इसमें एक्ट्रेस एक फाइटर पायलट के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म में कंगना का एक अलग अंदाज और तेवर देखने के लिए मिलने वाला है, जिसके लिए फैंस काफी बेताब हैं। सच्ची घटना पर आधारित है फिल्म वहीं, अगर फिल्म 'तेजस' की कहानी की बात की जाए तो ये सच्ची घटना पर आधारित है, जो कि एयरफोर्स पायलट तेजस गिल की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। इसमें कंगना ने तेजस गिल का ही किरदार प्ले किया है। फिल्म में युद्ध भूमि पर तेजस के कारनामों को दिखाय गया है, जो देश की रक्षा के लिए अपनी जान की बाजी भी लगाने के लिए तैयार रहती हैं।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के सच्चियाय माता जैन संघ के तत्वावधान में भव्य मंदिर निर्माण योजना के सहयोगार्थ एक विशाल भक्ति भजन संध्या 'एक शाम मां तेरे मंदिर के नाम' का आयोजन रविवार को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राईन सभागार में रखा गया।

विधि विधान से हुई सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा कलश स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरटी नगर स्थित श्री सिद्धार्थ सांस्कृतिक परिषद द्वारा विनायका कल्चरल हॉल में शारदीय नवरात्र का कलश स्थापन किया गया। इस वर्ष यजमान प्रजेश-गुड़िया झा ने आचाय पंडित रामानंद चौधरी,पंडित विनोद झा, पंडित राजगुरु ,पंडित उमेश पांडे, रूपेश पांडे, जयशंकर मिश्रा एवं सोनू पांडे के मार्गदर्शन में वेद मंत्रों के साथ पूजा एवं पाठ किए।

घट स्थापना के साथ षोडश मातृका, सर्वतोभद्र, नवग्रह मंडल एवं शैलपुत्री की इत्यादि पूजा हुई। घट स्थापना में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

इसमें मुख्य रूप से ट्रस्टी राजेश्वर सिंह, रामलखन सिंह, विजयशंकर प्रसाद सिंह, हरिश्चंद्र झा, डॉ विनयकुमार यादव, डॉ प्रजापति झा, दीपेश कुमार, उदयकुमार, विनयकुमार, रामकिंकर सिंह, आनंदमोहन झा प्रवीण उपाध्याय, रविकुमार, महिला मंडल से अर्चना झा, उषा झा, डेजी शर्मा, पार्वती देवी, गिरिजा देवी, शैल कुमारी इत्यादि उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जय संतोषी माता

बेंगलूरु के बिन्नी मिल रोड स्थित जय अम्बे मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री संतोषी मां मंदिर में नवरात्रि के पहले दिन रविवार को मृदुलाबेन जाडेजा के सान्निध्य में विधिवत घट स्थापना की गई। इस मौके पर मंदिर व प्रतिमाओं की विशेष सजावट भी की गई।

सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी अंजनशलाका के चढ़ावों में दिखा उत्साह

आचार्य मणिप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में 11 फरवरी को होगी प्रतिष्ठा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ मागडी रोड के तत्वावधान में खरतरगच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी की निश्रा में 11 फरवरी को सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी अंजनशलाका की प्राण प्रतिष्ठा होनी है जिसके उपलक्ष्य में रविवार को राजाजीनगर स्थित एक सभागार में साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी व प्रीतिसुधाश्रीजी की निश्रा में प्रतिष्ठा संबंधी चढ़ावों की जाजम लाभार्थी सुरेशकुमार कपूरचन्द पालरेचा परिवार द्वारा संघ के साथ बिछाई गई।

साध्वीश्री ने प्रतिष्ठा के महत्त्व को बताते हुए सभी को अपनी अपनी लक्ष्मी का सदुपयोग करने की प्रेरणा की। बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने पूरे उत्साह व हर्षोल्लास से चढ़ावों के कार्यक्रम में भाग लिया। फलेचुन्दड़ी का लाभ रेखराज प्रतापसिंह मेहता परिवार ने, जय जिनेंद्र का चढ़ावा धरमचंद, प्रकाशचंद, शरदकुमार सुराणा परिवार ने लिया। इसके अलावा अनेक परिवारों ने विभिन्न चढ़ावे लिए। संघ की ओर से सभी लाभार्थियों का सम्मान किया गया। संगीतकार सुनील एंड पार्टी ने भक्ति व संगीत की प्रस्तुति कर चढ़ावों को बल दिया। संघ के विभिन्न पदाधिकारी व विभिन्न महिला व युवा मंडलों ने कार्यक्रम की व्यवस्था संभाली।

स्वास्थ्य शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तेरापंथ युवक परिषद हनुमंतनगर बेंगलूरु द्वारा एटीडीसी के अन्तर्गत 2 दिवसीय एक्युपंचर थैरेपी शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 20 लोग लाभान्वित हुए। अध्यक्ष अंकुश बैद ने उपस्थित का स्वागत किया। थेरेपिस्ट सोनम हीरावत ने थेरेपी पश्चात निशुल्क परामर्श उपलब्ध कराया। इस आयोजन में मंत्री राजीव हिरावत, सहमंत्री देवेंद्र आँचलिया, सहमंत्री सुमित चिंडालिया, एटीडीसी प्रभारी गौतम खाब्या, सहप्रभारी स्वरूप चोपड़ा आदि ने सहयोग किया।

दर्पण फाउंडेशन के उपनिषद में समय और चेतना विषय पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। समय और चेतना विषय पर दर्पण फ़ाउंडेशन का तेंतालीस वाँ उपनिषद सहज स्मृति योग प्रणेता गुरुजी नंदकिशोर और हिन्दुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड के निदेशक और मुख्य टेस्ट पायलट रहे विंगकमांडर उन्नी पिल्लई के बीच संपन्न हुआ। गुरुजी ने भाषा को सांस्कृतिक अनुभव बताते हुए भाषा प्रदत्त अर्थों से परे जाने के लिए ध्यान अपनाने का संकेत किया। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक साधक की दृष्टि से देखें तो समय और टाइम एक ही वस्तु नहीं है और ना ही चेतना और कांशियसनेस भी एक हैं। चेतना अहं (ईगो)धि (इंटेलीजेंस) मनस (माइंड) स्मृति (मेमोरी) से परे जाने पर स्पष्ट होती है क्योंकि यह इन्हीं से बनी समझी जाती है जबकि समय परम चेतना के साथ लयलीनता की अवस्था में होना है। चेतना की एक विशेष अवस्था में पहुँचने पर समाधिस्थ चैतन्य साधक के समक्ष टाइम की सीमा स्पष्ट कर देता है।

अपनी अनुभव जन्य तात्त्विक अवस्था में समय को एक बिंदु जैसा बताते हुए गुरुजी ने मुहूर्त, अवसर, अवधि व काल को समय के विभिन्न अवस्था-बिंदु जैसा बताते हुए स्पष्ट किया कि अब तो वर्तमान वैज्ञानिक ज्ञान भी यह सिद्ध कर चुका है कि यथार्थ अवस्था केवल वर्तमान है। भूत का स्मरण और भविष्य की कल्पना हमारी स्मृति के विषय मात्र हैं। डेढ़ घंटे की अवधि तक चले इस उपनिषद में विंग कमांडर उन्नी पिल्लै ने अनेक कुछ ऐसे प्रश्न पूछे जो सभी साधकों के मन में कभी न कभी उभरते ही हैं। अंतिम तीस मिनट श्रोताओं के प्रश्नों को समर्पित रहे।

सुसवाणी माता धाम में उत्साह से शुरु हुआ नवरात्र महोत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अत्तिबेले स्थित सुसवाणी माता धाम में सुराणा संघ एवं भंवरीबाई घेवरचंद सुराणा चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में नवरात्र महोत्सव श्रद्धा व आस्था के साथ शुरू हुआ। प्रथम दिन धाम में तीर्थ निर्माता भंवरीबाई, डॉ. अर्चना दिलीप सुराणा एवं सुराणा संघ के अध्यक्ष महीपाल सुराणा, पूर्व अध्यक्ष सरदारमल सुराणा आदि ने घट स्थापना की। आचार्य वीरेंद्र कुमार व सुधीर कुमार के मंत्रोच्चारण एवं विधि विधान के साथ धाम में प्रतिष्ठित पांचों देवियों, कुलदेवी सुसवाणी माता, अंबे माता, पद्मावती माता, सच्चियाय माता व लक्ष्मी माता की रजत प्रतिमाओं पर विविध अभिषेक हुए। माता वंदित हवन का अनुष्ठान हुआ।

महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि रविवार को नारायण हृदयालय से माता धाम तक पैदल यात्रा संघ का आयोजन रखा गया है। शाम 5 बजे से विराट भक्ति संध्या होगी। इसमें राजस्थान जोधपुर की मशहूर गायिका खुशबू कुंभट भक्ति गीतों की प्रस्तुति देगी। रविवार मध्याह्न में शहर के उपनगरों से आवागमन हेतु बसों की व्यवस्था रखी गई है।

श्याम सेवा संघ के प्रथम उत्सव में छाया रहा बाबा श्याम का जादू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्याम सेवा संघ द्वारा रविवार को श्री श्याम प्रभु खाटू वाले का प्रथम उत्सव श्याम मन्दिर में धूमधाम से आयोजित हुआ। इस मौके पर बाबा श्याम का भव्य श्रृंगार, छप्पन भोग, भजन कीर्तन एवं महाप्रसाद का आयोजन किया गया। भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों के साथ दिल्ली आए भजन गायक शीतल पण्डे ने बाबा श्याम के अनेक भजनों की प्रस्तुति देकर पूरे माहौल को श्याममय बना दिया। इस आयोजन को सफल बनाने में श्याम सेवा संघ के सभी सदस्यों का योगदान रहा। आयोजन समिति के सदस्यों ने उपस्थित भक्तों एवं श्याम मंदिर कमेटी के प्रति आभार प्रकट किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नदान

बेंगलूरु के मागड़ी रोड स्थित ईटा अपार्टमेन्ट के पास बन रहे गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन चेरिटेबल ट्रस्ट के निर्माणाधीन आराधना केंद्र भवन के पास गुरुदेव पुष्करमुनिजी के 114वें जन्मदिन के उपलक्ष्य में अन्नदान का आयोजन किया गया। अशोककुमार महेन्द्रकुमार रांका परिवार के सौजन्य से आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में ट्रस्ट के नेमीचंद सालेचा, महावीरचंद मेहता, अशोक रांका फुलचंद लुकड, दिनेश चौपडा व गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन सेवा संगठन के महेन्द्र रांका, राकेश लुंकड, पवन भंसाली, मनोज पालरेचा, जितेंद्र भंडारी व अन्य गुरु भक्तों ने अन्नदान में सेवा प्रदान की।

सच्चियाय माता की भजन संध्या के पूर्व नवचंडी यज्ञ में उमड़े श्रद्धालु

बारी बारी से सभी भक्तों ने दी यज्ञ में आहूति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सच्चियाय माता जैन संघ के तत्वावधान में भव्य मंदिर निर्माण योजना के सहयोगार्थ एक विशाल भक्ति भजन संध्या 'एक शाम मां तेरे मंदिर के नाम' का आयोजन रविवार को पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राईन सभागार में रखा गया। भजन संध्या के पहले माता के भक्तों ने कार्यक्रम स्थल पर नवरात्रि के उपलक्ष्य में नवचंडी होम का आयोजन किया जिसमें बारी बारी से सभी उपस्थित 108 मां भक्त जोड़ों ने यज्ञ में आहूतियां दी। शहर के पंडितवर्य मुकेशकुमार शर्मा के मार्गदर्शन में शाम को यज्ञ की पूर्णाहूति सम्पन्न हुई जिसमें कार्यक्रम के मुख्य लाभार्थीद्वय गौतमचंद उत्तमचन्द संचेती परिवार और हनुमानमल संजयकुमार बैद परिवार विभिन्न पदाधिकारियों के साथ शामिल हुए।

वैशाली जनकल्याण समिति ने बिलकेहल्ली में की घट स्थापना

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वैशाली जनकल्याण समिति बिलकेहल्ली में दुर्गा पूजा का आयोजन किया जा रहा है, जिसकी शुरुआत रविवार को कलश स्थापना से हुई। सबसे पहले एसएनएन अपार्टमेंट के विघ्नेश्वर मंदिर से कलश यात्रा निकली जिसमें 101 महिलाएं कलश उठाकर पूजा मंडप श्री सालासर बालाजी मंदिर पहुंची। यात्रा में 250 से अधिक लोग शामिल हुए। पूजा पंडित अजीत झा, गिरिधर द्विवेदी ने कलश स्थापना करवाई। पूजा की व्यवस्था अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, सचिव मुकेशकुमार सिंह, प्रवीणकुमार पांडेय, उपाध्यक्ष पंकजसिंह, कोषाध्यक्ष धीरेंद्रसिंह ,एके गुप्ता, निशांत द्विवेदी द्वारा की गई।

महाराज अग्रसेन जयंती के मौके पर निकाली विशाल शोभायात्रा, मनाई जयंती

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । स्थानीय अग्रवाल समाज कर्नाटक द्वारा अपने कुलप्रमुख महाराजा अग्रसेन की जयंती जयनगर स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में रविवार को मनाई गई । इस अवसर पर प्रातः 11 बजे माधवन पार्क जयनगर से अग्रसेन भवन तक भव्य यात्रा निकाली गई जिसमें अग्रवाल बंधुओं ने उत्साह से भाग लिया। सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेनजी के चित्र समकक्ष द्वीप प्रज्वलित किया गया, तत्पश्चात समाज द्वारा समाज के होनहार विद्यार्थियों को को लैपटॉप और घड़ी वितरित की गई। युवा संघ व महिला मण्डल के सदस्यों का भी सम्मान किया गया। इस मौके पर समाज के वरिष्ठ सदस्यों का भी सम्मान किया गया ।

इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष महावीरप्रसाद अग्रवाल, सचिव सतीश गोयल ने सभी उपस्थित जनों को अग्रसेन जयंती की शुभकामनाएं दी तथा समाज के उत्थान के लिए सहयोग का आह्वान किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष गोपाल रातूसरिया, सुरेशकुमार मोदी , महिला मंडल की अध्यक्ष अंजू अग्रवाल, युवा संघ के अध्यक्ष कुणाल गोयल, अंकित मोदी, संजय गुप्ता, चंद्रप्रकाश रामसिरिया, सुभाष बंसल, सुभाष गोयल, राजेन्द्र गोयल, रतनलाल सिंघल, मदनलाल अग्रवाल, अशोक हिसारिया सहित बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने उपस्थित होकर महाराजा अग्रसेनजी के गुणों का स्मरण किया।

घट स्थापना के साथ सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति की दशहरा पूजा प्रारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय सामाजिक एवं सांस्कृतिक संगठन सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति एवं राजेंद्र बाबू मेमोरियल ट्रस्ट 'बिहार भवन' के संयुक्त तत्वावधान में 45 वां दशहरा पूजा कलश स्थापना के साथ प्रिंसेस श्राइन सभागार में प्रारंभ हुई। आचार्य बीरेंद्र पांडे, प्रेमकुमार पांडे एवं भोलानाथ पांडे के मार्गदर्शन में पूजा अध्यक्ष मुकेशकुमार कर्ण ने सपत्नीक समिति की ओर से पूजा का संकल्प लिया।

इस अवसर पर समिति उपाध्यक्ष अमित सिंह, सचिव सुबोध सिंह, कोषाध्यक्ष शेषनाथ दुबे, एसपी सिंह, रामकवल, विमलेश कुमार, शंभूसिंह, एसएन भगत, जयप्रकाश उपाध्याय, सुमेश्वर सिंह, रविन्द्र कुशवाहा, भूपेंद्रसिंह, अमित अनुपम, मुकेश उपाध्याय, रमाशंकर गुप्ता, दशय साब, अंजना दुबे, विभा सिंह, आशा देवी, जसवीर सिंह, सुनीता शर्मा, शान्ति सिंह एवं अन्य सदस्यगण सपरिवार उपस्थित हुए। सभागार में महानवमी तक रोज सुबह दस बजे एवं सायं आठ बजे मां की पूजा एवं आरती सम्पन्न होगी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com